CNews सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-206
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

अवकाश सूचना
दिवाली के अवसर पर कार्यालय में शुक्रवार को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक शनिवार को प्रकाशित होगा। -संपादक

सिटी चीफ

दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 31 अक्टूबर 2024

सीएम बोले- मप्र की आठ करोड़ जनता देवतुल्य

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर भोपाल के लालपरेड मैदान में डॉ. यादव ने किया ध्वजारोहण

भोपाल। मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर भोपाल के लालपरेड मैदान में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि दीपोत्सव का उत्सव चल रहा है और इसी के साथ राज्य का स्थापना दिवस भी मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मध्य प्रदेश को समृद्ध बनाने के साथ-साथ राज्य का गौरव बढ़ाने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की आठ करोड़ जनता देवतुल्य है और राज्य सरकार चार दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से स्थापना दिवस को मना रही है। उन्होंने प्रदेश के पौराणिक स्थलों का महत्व बताते हुए कहा कि भगवान श्रीराम ने चित्रकूट में 11 वर्ष बिताए और भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन में शिक्षा ग्रहण की, जिससे यह धरती धन्य हुई है। डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री देश की सीमाओं को

सुरक्षित रख रहे हैं और भारत को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने विंध्य, सतपुड़ा, मालवा, और निमाड़ की अनोखी पहचान का भी जिक्र किया और कहा कि ये क्षेत्र मध्यप्रदेश को देश-दुनिया में अलग पहचान देने का कार्य कर रहे हैं।

धर्म और अध्यात्म की त्रिवेणी बहती है इस धरती पर मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्म और अध्यात्म की त्रिवेणी सतपुड़ा की इस धरती पर बहती है, जिससे मध्यप्रदेश गर्व से सिर ऊंचा किए हुए अपनी अलग पहचान बनाता है। यहां की लोक कला, जनजातियां, और मालवा का गौरवशाली इतिहास हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। हमारे राज्य के लोग राजा विक्रमादित्य के साहस और राजा भोज की ऐतिहासिक उपलब्धियों से परिचित हैं। भगवान श्रीराम ने यहाँ अपने 11 वर्षों का वनवास बिताया, जिससे हमारे इतिहास में और भी गौरव का अध्याय जुड़ता है। आज चित्रकूट धाम पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करता है। गुप्त गोदावरी से मंदाकिनी तक बहती इन धाराओं की प्रत्येक लहर हमारे इतिहास के गौरव की कहानी कहती है।

सीएम ने प्रदेश की उपलब्धियां गिनाई मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी अनगिनत विशेषताओं को अपने में समेटे हुए है। यह प्रदेश न केवल देश का ह्यफूड बॉस्केटह्व है बल्कि सोयाबीन उत्पादन में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। बिजली उत्पादन में अग्रणी होने के साथ ही यहां बाघों की मौजूदगी भी हमारा गौरव है। अब हमारे पास ह्यचीता स्टेटह्व का नया सम्मान भी जुड़ गया है। इंदौर लगातार 7 वर्षों से देश का सबसे स्वच्छ शहर बना हुआ है, और भोपाल को सबसे स्वच्छ राजधानी का दर्जा मिला है। हमें 7 बार कृषि कर्मण अवार्ड भी प्राप्त हो चुका है, जो हमारी कृषि में उत्कृष्टता का प्रमाण है।

आर्मी बैंड ने सुमधुर धुनों की प्रस्तुति दी समारोह में मध्यप्रदेश के राज्य स्तरीय खेल मलखंब का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सेना द्वारा लगाए गए टैंक और अन्य सैन्य एवं युद्ध उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

आर्मी बैंड ने सुमधुर धुनों की प्रस्तुति दी, जिससे सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कथक नृत्य के माध्यम से गणेश वंदना की प्रस्तुति सहित अन्य लोकनृत्यों ने दर्शकों को मोहित किया।

सुलझे भारत-चीन के रिश्ते, आज दिवाली पर एक-दूसरे को खिलाएंगे मिठाइयां

विवादित जगह से हटीं भारतीय-चीनी सेनाएं

बीजिंग।

भारत और चीन के बीच 2020 से शुरू हुआ विवाद आखिरकार सुलझ गया है। भारत-चीन बॉर्डर पर डेपसांग और डेमचोक में दोनों सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया बुधवार को पूरी हो गई। गुरुवार को दिवाली पर चीन और भारत के सैनिक एक-दूसरे को मिठाई खिलाएंगे। पेट्रोलिंग को लेकर जल्द ही ग्राउंड कमांडर के अधिकारियों के बीच बातचीत होगी।

सेना के सूत्रों के अनुसार तय समय-सीमा के अनुसार, भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों में तनाव कम करने का काम पूरा कर लिया है। जानकारी के मुताबिक इस क्षेत्र में जल्द ही गश्त शुरू हो जाएगी। वहीं इस रिश्ते की बेहतर शुरूआत को ध्यान में रखते हुए गुरुवार को दिवाली के अवसर पर चीनी पक्ष के सैनिकों के साथ मिठाइयों का आदान-प्रदान भी किया जाएगा। भारतीय सेना के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी साझा की और बाद में पत्रकारों को संबोधित करते हुए भारत में चीनी राजदूत जू फेहोंग ने कहा कि दोनों देशों ने

आपसी सहमति से मुद्दे को सुलझाया है।

भारत और चीन के बीच फिर से शुरू होंगी सीधी उड़ानें चीनी राजदूत जू फेहोंग ने कहा कि हम आपसी सहमति के बिंदु पर पहुंच गए हैं। पड़ोसी होने के नाते, हमारे बीच कुछ मुद्दे होंगे, लेकिन राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (पिछले सप्ताह रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान) के बीच बैठक के बाद दोनों देश संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। हम जल्द ही भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करेंगे।

पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत से निकला समाधान भारत और चीन के बीच हुए इस अहम समझौते के बाद दोनों देशों ने दो अक्तूबर को पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचौक में टकराव वाले दो बिंदुओं पर सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया शुरू की थी। पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत के बाद से पूर्वी लद्दाक में एलएसी पर डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया का मतलब सैनिकों की वापसी से होता है। भारतीय सेना के अधिकारी देपसांग और डेमचौक में इस डिसइंगेजमेंट पर नजर रख रहे हैं। इन सब के बीच डेमचौक में दोनों ही तरफ से अभी तक कई टेंट हटाए जा चुके हैं। हालांकि, ये प्रक्रिया अब पूरी कर ली गई है।

भारत-चीन के बीच ये है सीमा विवाद? पूर्वी लद्दाख में सात ऐसे पॉइंट हैं, जहां चीन के साथ टकराव की स्थिति रहती है। ये हैं पेट्रोलिंग पॉइंट 14 यानी गलवान, 15 यानी हॉट स्प्रिंग, 17अ यानी गोगरा, पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण छोर, डेपसांग प्लेन और डेमचॉक में चारदिंग नाला हैं, जहां तनाव रहता है।अप्रैल 2020 में चीन ने एक सैन्य अभ्यास के बाद पूर्वी लद्दाख के 6 इलाकों में अतिक्रमण किया था। 2022 तक चार इलाकों से चीन की सेना पीछे हट गई।

चीन और भारत के बीच समझौते में क्या कुछ हुआ था तय? भारत और चीन के बीच 21 अक्तूबर 2024 के बीच हुए समझौते के तहत पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर अप्रैल 2020 की स्थिति बहाल करने के लिए दोनों देश राजी हो गए। इस समझौते के बाद अब चीन की सेना उन इलाकों से पीछे हटेगी जहां उसने अतिक्रमण किया था। इस समझौते को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिस्त्री ने बताया था कि सीमा से लगने वाले इलाकों में पेट्रोलिंग के साथ 2020 के बाद उठे मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। अब इस समझौते के तहत ही दोनों देश कदम उठाएंगे।

ट्रेन के टॉयलेट में यात्री मिले तो नहीं चलेगी गाड़ी

दिवाली और छठ पर रेलवे का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने इस साल दीपावली एवं छठ पर्व पर देश के पूर्वी भाग की ओर यात्रा करने वाले साधारण श्रेणी के यात्रियों को सुरक्षित एवं आरामदेह तरीके से यात्रा कराने के लिए पहली बार कई पहल की हैं। इसी क्रम में रेलवे ने एक बड़ा निर्णय लिया है। इसमें अगर यात्री ट्रेन के टॉयलेट में बैठकर सफर करते हुए पाए गए तो गाड़ी नहीं चलेगी।

सूत्रों ने कहा कि रेलवे ने नई दिल्ली, आनंद विहार आदि राजधानी क्षेत्र के स्टेशनों पर कम से कम एक होल्डिंग एरिया बनाया है। इसमें साधारण श्रेणी के यात्रियों को रोका जाता है। उनके भोजन एवं पानी का इंतजाम भी किया जा रहा है। गाड़ी प्लेटफॉर्म पर लगने एवं गेट खुलने के बाद ही उन्हें स्टेशन के अंदर लाया जा रहा है और गाड़ी की यात्री वहन क्षमता के हिसाब से उतनी ही संख्या में यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर लाया जाता है जितने गाड़ी में सवार हो सकें। इसके बाद गाड़ी के गेट बंद करके गाड़ी को रवाना किया जाता है और बाकी यात्रियों को दूसरी गाड़ी में सवार कराया जाता है। इतना ही नहीं, रेलवे के अधिकारी यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि यदि यात्री शौचालय में पाए जाते हैं तो गाड़ी को चलने नहीं दिया जाएगा। यात्रियों के शौचालय के खाली करने पर ही गाड़ी को चलने का सिग्नल दिया जाएगा।

आज 164 और कल 167 विशेष गाड़ियां चलाएगा रेलवे *सूत्रों ने कहा कि दीपावली के दिन गुरुवार 31 अक्टूबर को रेलवे पूर्वी भारत के विभिन्न स्थानों के लिए 164 और अगले दिन शुक्रवार एक नवंबर को 167 विशेष गाड़ियों का परिचालन करेगी। रेलवे के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार साधारण श्रेणी के यात्रियों के लिए इस साल 7296 विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनाई गई है। ये गाड़ियां एक अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच मांग को देखते हुए चलाई जाएंगी। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष 2023 में विशेष गाड़ियों की संख्या करीब 4500 थी जबकि वर्ष 2014 के पहले यह संख्या एक हजार के आसपास रहता था। सूत्रों के अनुसार इस साल के त्योहारी सीजन में पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार एवं झारखंड की ओर लगभग एक करोड़ लोग रोजाना यात्रा कर रहे हैं जिनमें से 22 से 23 लाख आरक्षित श्रेणियों में यात्रा कर रहे हैं जबकि शेष अनारक्षित साधारण श्रेणी के गरीब यात्री हैं।*

बांधवगढ़ में 2 दिन में सात हाथियों की मौत

दिल्ली तक मचा हड़कंप, केंद्र और राज्य स्तर पर विशेष जांच दल का

उमरिया। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों की मौत की घटना ने दिल्ली तक हड़कंप मचा दिया है। वन विभाग और विशेषज्ञों की टीमें मौत का कारण जानने में जुट गई हैं। बुधवार सुबह तीन और हाथियों की मौत के बाद यह आंकड़ा सात पहुंच गया है, जबकि तीन हाथियों का इलाज किया जा रहा है। हाथियों की मौत के मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय और राज्य स्तर पर विशेष जांच दल का गठन किया गया है। दिल्ली से एनटीसीए (नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी) की टीम जांच के लिए बांधवगढ़ आ गई है। दरअसल, मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सात हाथियों की मौत से दिल्ली तक हड़कंप मचा हुआ है। बांधवगढ़ में हाथियों की मौत के बाद वन्यजीव संरक्षण की टीमों ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। बुधवार को तीन और मंगलवार को चार हाथियों की मौत के बाद अब तक सात हाथियों की मौत हो चुकी है। तीन हाथियों

का इलाज चल रहा है, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, एक हाथी पूरी तरह से स्वस्थ हो गया है और दो हाथी सामान्य स्थिति में हैं। जबलपुर के राज्य वन्यजीव स्वास्थ्य एवं वन्यजीव संस्थान की टीम हाथियों के पोस्टमार्टम कर रही हैं। साथ ही कान्हा और पेंच से भी वेटरनरी विशेषज्ञ जल्द ही मौके पर पहुंचने वाले हैं, ताकि और अधिक सहायता प्रदान की जा सके।

जांच के लिए एसआईटी गठित वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) नई दिल्ली ने इस घटना की जांच के लिए एक विशेष समिति (एसआईटी) का गठन किया है। इसके अतिरिक्त राज्य स्तर पर भी जांच समिति बनाई गई है। एसटीएसएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) के प्रमुख और उनकी टीम डॉग स्क्वाड के साथ घटनास्थल पर गहन तलाशी और जांच कार्य में लगी हुई है।

केंद्रीय जोन के एआईजी घटनास्थल पर पहुंचे एनटीसीए (राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण) केंद्रीय जोन के एआईजी नंदकिशोर काले घटनास्थल पर मौजूद हैं और जांच की निगरानी कर रहे हैं। पीसीसीएफ (वन्यजीव) और सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू (मुख्य वन्यजीव संरक्षक) भी जल्द ही घटनास्थल पर पहुंचने वाले हैं। वन विभाग के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णमूर्ति ने घटना की गंभीरता को देखते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

गाजा में इजरायल के एक ही हमले में 100 से ज्यादा

गाजा के बेत लाहिया में आवासीय भवनों पर की भीषण बमबारी, मरने वालों में 25 बच्चे शामिल

गाजा। हमास के गढ़ गाजा पर इजरायल के भीषण हमले जारी हैं। इजरायल ने गाजा के बेत लाहिया में आवासीय भवनों पर भीषण बमबारी में 100 से अधिक लोगों को मार डाला। देर रात हुए हमले में लोग सोते-सोते ही जिंदा दफन हो गए। गाजा में पिछले तीन महीने के भीतर यह सबसे घातक हमला है। इजरायल के एक ही हमले में लाशों का अंबार देखकर अमेरिका भी सहम गया। अमेरिका ने इस हमले को भयावह कहा है। इजरायल ने लगातार दो दिन यहां बमबारी की और सैकड़ों लाशें बिछा दी। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मरने वालों में कम से कम 25 बच्चे थे। जीवित लोगों की तलाश की जा रही है। मरने वालों की संख्या 110 पार कर गई है। गाजा में अब तक इजरायली हमलों में मारे गए लोगों की संख्या 44 हजार पार कर गई है। उधर, इजरायली हमले के बाद बेत लाहिया शहर को आपदा ग्रस्त घोषित कर दिया गया है। इजरायल की सेना ने गाजा के बेत लाहिया में आवासीय भवनों पर मंगलवार और बुधवार को बमबारी की। बुधवार को ताजा हमले में कम से कम 19 फिलिस्तीनी मारे गए। इससे पहले मंगलवार को गाजा के उत्तरी शहर में हुए भीषण हमले के जख्म अभी तक भरे नहीं हैं। सुरक्षा कर्मी इलाके में जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। अभी भी मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। हमले में कम से कम 110 लोग मारे गए हैं। गाजा में फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा के अनुसार, मंगलवार देर रात को इजरायल द्वारा किए गए बम विस्फोट में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए और परिवार सोते-सोते जिंदा दफन हो गए।

टीवी कलाकार चाहत पांडे की मां की संपत्ति कुर्क करने के आदेश

दमोह। जिला कोर्ट ने टीवी सीरियल कलाकार और बिग बॉस के मौजूदा सीजन की सहभागी चाहत पांडे की मां भावना पांडे कार की किस्त जमा न करने पर उनके खिलाफ संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया है। उन्होंने वर्ष 2019 में एक फाइनेंस कंपनी से 8 लाख 50 हजार रुपए की एक कार फाइनेंस कराई थी। जिसमें से उन्होंने 4 लाख 62 हजार रुपए की राशि जमा नहीं की। इस पर उनके खिलाफ नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद भी उन्होंने राशि जमा नहीं की। जिसके चलते अब वह बकाया राशि 13 लाख 20 हजार रुपए हो गई है। जबकि भावना पांडे ने राशि जमा नहीं की तो फाइनेंस कंपनी ने कोर्ट की शरण ली थी। कंपनी के अधिवक्ता अनुपम भारती ने बताया कि भावना पांडे पेशे से शासकीय शिक्षक हैं। न्यायाधीश ने भावना पांडे की संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया है। इसमें पुलिस सहयोग भी लिया जाएगा। यह भी मजिस्ट्रेट ने लिखा है। बता दें कि भावना पांडे की बेटी चाहत पांडे इन दिनों बिस बॉस के शो में शामिल हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी से दमोह विधानसभा का चुनाव भी लड़ा था, लेकिन वे चुनाव हार गई थीं और उनकी जमानत तक जब्त हो गई थी। कोर्ट ने राशि वसूली के लिए जो आदेश जारी किया है। उसमें भावना पांडे को फाइनेंस कंपनी का पैसा जमा करने और नहीं करने पर कोर्ट से उनकी प्रॉपर्टी कुर्क करने के आदेश जारी किया है।

अफगान महिलाओं पर 'बोलने' की पाबंदी, तालिबान ने कुरान की तिलावत पर भी प्रतिबंध

काबुल तालिबान ने अफगान महिलाओं पर एक और कड़ा प्रतिबंध लागू किया है, जिसमें महिलाओं को एक-दूसरे की मौजूदगी में अपनी आवाज का इस्तेमाल करने पर पाबंदी लगाई गई है। अगर एक से ज्यादा महिलाएं एक साथ इकट्ठी हैं तो वे आपस में बातें नहीं कर पाएंगी। तालिबान के उप-प्रधानमंत्री और ह्यउपदेश एवं सदाचारह्व मंत्री मोहम्मद खालिद हनफी ने एक ऑडियो बयान जारी कर कहा कि महिलाएं अब एक-दूसरे की मौजूदगी में कुरान की तिलावत नहीं कर सकतीं। यानी वे अब कुरान की आयतें नहीं पढ़ सकती हैं। इस आदेश की जानकारी अमेरिका स्थित अमु टीवी ने दी है। यह अफगानिस्तान के पूर्व पत्रकारों द्वारा संचालित चैनल है। हनफी ने अपने बयान में कहा, अगर एक महिला को तकबीर नहीं कहने दिया जा सकता, तो भला उसे गाने की अनुमति कैसे दी जा सकती है।

अब ट्रेन में नहीं ले जा सकेंगे अधिक लगेज

पश्चिम रेलवे ने लागू किए नए नियम, 8 नवंबर तक लागू रहेगा

नई दिल्ली। रेलवे प्राधिकरण ने अब ट्रेन में निर्धारित लगेज की सीमा को निर्धारित किया है। सामान की सीमा को सख्ती से लागू करने का फैसला लिया गया है। अब यात्रियों को दंड का सामना करना पड़ेगा यदि उनका सामान उनके टिकट वर्ग के लिए तय निःशुल्क भत्ते से अधिक है। इस कदम का उद्देश्य स्टेशन परिसर के भीतर आवाजाही को सुव्यवस्थित करना है, जिससे यात्रियों के लिए भीड़भाड़ से गुजरना आसान हो जाता है।

हाल ही में जिस तरह से मुंबई के बांद्रा टर्मिनस पर भगदड़ मची थी, उसमे कई लोग घायल हो गए थे। ट्रेन में चढ़ने की होड़ में 10 लोग घायल हो गए थे। जिसके बाद पश्चिमी रेलवे ने यात्रियों की आवाजाही और सामान परिवहन के बेहतर प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए कुछ बड़े कदम उठाए हैं। रविवार को जब लोग गोरखपुर जाने वाली अंत्योदय एक्सप्रेस पकड़ने के लिए दौड़ पड़े तो भगदड़ मच गई, ट्रेन में चढ़ने की होड़ में लोग एक दूसरे के ऊपर चढ़ गए। जिसके बाद रेलवे की ओर से फैसला लिया गया है कि अब ट्रेन में यात्रा को लेकर कुछ खास नियमों का पालन करना होगा। पश्चिमी रेलवे के दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एक निश्चित मात्रा में सामान ले जा सकते हैं, लेकिन स्कूटर, साइकिल और 100 सेमी गुणा 100 सेमी गुणा 70 सेमी से बड़े किसी भी सामान को इस भत्ते में शामिल नहीं किया जाएगा।

हादसे के बाद लिया गया फैसला हाल ही में बांद्रा टर्मिनस पर हुई भगदड़ के बाद, पश्चिमी रेलवे ने प्लेटफॉर्म पर भीड़भाड़ कम करने और यात्रियों द्वारा लाए जाने वाले सामान की मात्रा को नियंत्रित करके यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया है। पश्चिमी रेलवे की ओर से कहा गया है कि यात्रा के विभिन्न वर्गों के लिए मुफ्त भत्ता अलग-अलग होता है। यदि सामान सीमांत मुफ्त भत्ते से अधिक है तो उसके अनुसार जुमार्ना लगाया जाएगा। रेलवे की ओर से यह निर्देश 8 नवंबर तक लागू रहेगा। त्योहारों में लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। निर्देश में न केवल सामान की सीमा का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है, बल्कि यात्रियों को अनावश्यक रूप से स्टेशनों पर भीड़भाड़ से बचने की सलाह भी दी गई है। यात्रियों को भीड़भाड़ को कम करने में मदद करने के लिए अपनी ट्रेन के शेड्यूल के अनुसार पहुंचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह सलाह यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करके और भीड़भाड़ से जुड़े जोखिमों को कम करके यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने के एक बड़े प्रयास का हिस्सा है

पार्सल को लेकर खास व्यवस्था इसके अलावा, पश्चिमी रेलवे ने इस बात पर ध्यान दिया है कि प्लेटफॉर्म पर पार्सल की खेपों का जमा होना यात्रियों की आवाजाही में बाधा डालता है। त्योहारी सीजन में पार्सल बुकिंग में उछाल देखा गया है, खासकर बांद्रा टर्मिनस, वापी, वलसाड, उधना और सूरत में। जिसके परिणामस्वरूप ट्रेनों में लोड होने के लिए प्रतीक्षारत पार्सल की मात्रा में वृद्धि हुई है। इसे कम करने के लिए, रेलवे ने ट्रेनों के निर्धारित प्रस्थान से पहले प्लेटफॉर्म पर पार्सल के लंबे समय तक ढेर लगाने को रोकने के आदेश जारी किए हैं, जिसका उद्देश्य यात्रियों के लिए रास्ते साफ रखना है। यात्री सुरक्षा और स्टेशन दक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, पश्चिमी रेलवे ने प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकटों की बिक्री को अस्थायी रूप से रोक दिया है, यह कदम 8 नवंबर तक प्रभावी रहेगा

सिंगल कॉलम

इंदौर से जाने वाली फ्लाइट को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

इंदौर। इंदौर आने वाली उड़ानों को बम से उड़ाने की फिर से धमकी मिली है। अक्टूबर माह में यह इस तरह की धमकी तीसरी बार मिली है।इस बार दिल्ली से इंदौर होकर मुबंई जाने वाली उड़ान में बम रखे होने का संदेश सोशल मीडिया पर भेजा गया। इसके बाद इंदौर विमानतल पर अतिरिक्त सर्तकता बरती गई और यात्रियों की जांच भी की गई। यह संदेश अफवाह साबित हुआ।इसके बाद एयरपोर्ट प्रबंधन ने एरोड्रम थाने में धमकी मिलने की शिकायत भी दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि एयर इंडिया की उड़ान 639 में बम रखा हुआ है। इसकी सूचना एक्स पर दी गई। दिल्ली से इंदौर होते हुए मुबंई जाने वाली उड़ान मंगलवार शाम 4.38 बजे रवाना हो चुकी थी। इसके बाद एक्स पर यह मैसेज पोस्ट किया गया। मैसेज की जानकारी मिलते ही सुरक्षा एजेसियां सर्तक हो गई। इंदौर के अलावा 100 से ज्यादा विमानों में बम रखे होने की अफवाह फैलाई गई थी। एरोड्रम पुलिस ने इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धारा-352 (पहचान छुपाकर आपराधिक धमकी देने) के मामले में केस दर्ज किया है। इससे पहले भी इंदौर आने वाली तीन उड़ानों में बम रखे होने की अफवाह फैलाई गई थी।दस माह में इस तरह की आठ बार धमकियां मिल चुकी है।

इंदौर में एक ही दिन में बिक गईं 2800 कारें, 950 अचल संपत्तियां...

इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक नगरी इंदौर मंगलवार को कुबेरपुर बनकर दमकी। दीपावली से पूर्व खरीदी के सबसे बड़े दिन धनतेरस पर बाजारों में जमकर धनवर्षा हुई। उल्लास से त्योहार मनाते हुए संपन्नता की कामना के साथ लोगों ने खूब खरीदी की। सोना-चांदी के साथ गाड़ियों के शोरूमों में कतारें दिखी। इलेक्ट्रानिक शोरूमों से लेकर बर्तन बाजार में भी खरीदारों की भीड़ रही। रेडीमेड गारमेंट से लेकर ड्रायफ्रूट के गिफ्ट बाक्स तक की दुकानें सूरज उगने से लेकर चांद चमकने तक ग्राहकों से गुलजार रहीं। इन सब सेगमेंट में धनतेरस पर बिक्री का कुल आंकड़ा करीब 750 करोड़ रुपये आंका जा रहा है। इसमें अचल संपत्ति को भी शामिल कर लिया जाए तो एक ही दिन में एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का व्यापार करने वाला शहर बनता दिखा इंदौर। बिक्री के लिहाज से आटोमोबाइल सेक्टर यानी वाहनों का बाजार सबसे आगे रहा। आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष आदित्य कासलीवाल के अनुसार करीब 2800 कारें और 6500 दोपहिया वाहनों की डिलीवरी धनतेरस पर दी गई। औसत दामों के आधार पर अनुमान लगाया जाए तो कुल करीब 425 करोड़ रुपये वाहनों की खरीद पर इंदौर में खर्च किए गए हैं। गहनों के बाजारा में 200 करोड़ का कारोबार इसके साथ सोना-चांदी व गहनों के बाजार में 200 करोड़ के कारोबार का अनुमान है। चांदी-सोना जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन के मंत्री अविनाश शास्त्री के अनुसार दाम बढ़ रहे हैं लेकिन लोगों को उसी अनुपात में रिटर्न भी मिलता दिख रहा है। ऐसे में लोग बजट बनाकर आए। संपत्ति के बाजार में भी धनवर्षा हुई। पंजीयन कार्यालय के अनुसार दिनभर में 950 अचल संपत्तियों की रजिस्ट्री हुई। इंदौर में औसत संपत्ति का मूल्य 35 लाख भी आंका जाए तो संपत्ति की बिक्री 332 करोड़ के पार रही।अंचल में दीपोत्सव की चमकदार शुरुआत हुई। पर्व के पहले दिन धनतेरस पर बाजार दमका तो देवी महालक्ष्मी के मंदिरों में भीड़ रही। बाजार में खरीदारी हुई तो व्यापारियों के भी चेहरे खिल उठे। सुबह से शुरू हुआ खरीदी का माहौल शाम तक एक जैसा बना रहा। तोरण और वंदनवारों से सजे-संवरे बाजारों में खरीदारी का दौर रात तक चला।

बालिका से विजयवर्गीय ने खरीद लिए सारे दीपक

इंदौर। मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दीपावली की पूर्व संध्या 30 अक्टूबर, बुधवार को इंदौर में खरीदारी की। इस अवसर पर उन्होंने सड़क किनारे दीपक (दिए) बेच रही एक बिटिया से उसके सारे दीपक खरीदकर पर्व की खुशियां साझा कीं। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा, सभी देशवासियों को ह्यवोकल फॉर लोकलह्न को बढ़ावा देने के लिए कदम बढ़ाना चाहिए। परिवार जन स्थानीय दुकानदारों, व्यापारियों से सामग्री खरीदें, उन्हें प्रोत्साहित करें। यह विचार हमें अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने का अवसर भी प्रदान करता है। साथ ही हजारों परिवारों में खुशियों के दीप जलते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकल फॉर वोकल को आगे बढ़ाते हुए हमें प्रेरित किया है कि हम स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें। अपने स्वदेशी उत्पादों को समर्थन दें। इसी क्रम में आज? बिटिया की दुकान से सामग्री खरीदी है। हमारी डबल इंजन की सरकार में देश और प्रदेश में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर भी संरक्षित हो रही है। इस दिवाली पर, आइए हम सब मिलकर अपने-अपने इलाके के उत्पादों को खरीदें और उन्हें बढ़ावा दें।

गलियों से कचरा उठाने के लिए हर जोन पर एक डंपर और दस कर्मचारी तैनात

दीपावली पर निकल रहा 1300 टन ज्यादा कचरा

सिटी चीफ इंदौर।
नगर निगम को दीपावली त्यौहार के कारण सफाई व्यवस्था को बरकरार रखने का अतिरिक्त दबाव झेलना पड़ रहा है। शहर में बीते पांच दिनों से पांच सौ टन अतिरिक्त कचरा निकल रहा है। इसे संग्रहित करने के लिए नगर निगम ने अतिरिक्त संसाधनों की व्यवस्था की है।

सबसे ज्यादा कचरा शहर के प्रमुख बाजारों से आ रहा है। दिनभर ग्राहकों की भीड़ और सड़कों पर अस्थाई रुप से सामान बेचने वालों के कारण कचरा ज्यादा निकल रहा है। इंदौर में प्रतिदिन आठ सौ टन कचरा निकलता है। जो डोर टू डोर व्यवस्था के कारण सीधे ट्रेंचिंग ग्राउंड तक पहुंचता है। दीपावली त्यौहार की वजह से फिलहाल 1300 टन कचरा निकल रहा है। बाजारों में हो रही खरीददारी और घरों में चल रही साफ सफाई के कारण कचरे की मात्रा बढ़ गई है। इसके लिए नगर निगम ने हर जोन पर एक डंपर और दस कर्मचारियों को तैनात किया है, जो गलियों से कचरा उठा रहे है। व्यापारिक क्षेत्रों में वाहन शाम के बजाए रात में जा रहे है, ताकि अतिरिक्त कचरा भी वाहनों तक आ जाए।

दीपावली पर विशेष सफाई

इंदौर में सबसे ज्यादा कचरा वर्षभर में दीपावली के दूसरे दिन होता है। तब डेढ़ हजार टन कचरा निकलता है, ज्यादातर कागज का कचरा रहता है, उसका वजन ज्यादा नहीं रहता, लेकिन वह फैला हुआ दिखाई देता है। स्वास्थ्य समिति प्रभारी अश्विनी शुक्ला ने बताया कि इंदौर में 31 अक्टूबर को ज्यादातर लोग दीपावली मना रहे है।

कल तड़के तीन बजे ही सड़क पर उतरने की तैयारी

1 नवंबर को शहर की सफाई के लिए तड़के तीन बजे ही सफाई अमला सड़कों पर उतर जाएगा,ताकि लोग सुबह जागे तो उन्हें सड़कें व गलियां साफ दिखे। इसके लिए पूरी प्लानिंग हो चुकी है। पहले हमारा फोकस शहर के प्रमुख मार्गों पर रहेगा।

पांच लाख के नोटों से पहली बार अन्नपूर्णा माता का श्रृंगार

भक्तों ने सौंपी नोटों की गड्डियां, सजावट में लगे तीन दिन

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर के प्रसिद्ध अन्नपूर्णा माता मंदिर में दीपावली पर मंदिर के गृभगृह के श्रृंगार में नोटों का इस्तोल किया गया। मंदिर की तीन मूर्तियों के आसपास पांच सौ, दो सौ, पचास और 20 के नोटो का इस्तेमाल किया गया। नोटों के रंगों के कारण श्रृंगार भी भक्तों को लुभा रहा है। मंदिर में पहले कभी भी सजावट में नोटों का इस्तेमाल नहीं किया गया। अन्नपूर्णा मंदिर शहर के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। सालभर पहले मंदिर परिसर में 20 करोड़ रुपये की लागत से नया मंदिर तैयार हुआ।मकराना के मार्बल से बने मंदिर के निर्माण में तीन साल का समय लगा था। अवधेशानंद महाराज की मौजूदगी में मंदिर में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। गर्भगृह को नोटों से सजाने के लिए तीन दिन का समय लगा। इसके लिए कड़क नोटों का इस्तेमाल किया गया। भक्तों द्वारा जमा कराए गए नोटों को रंगों के हिसाब से सजाया गया। तीन दिन तक मंदिर में नोटों का श्रृंगार रहेगा। इसके बाद भक्तों को वह पैसा बरकत के तौर पर वापस लौटा दिया जाएगा। दीपावली के त्यौहार के उपलक्ष्य में मंदिर में 11 हजार दीप भी जलाए जाएंगे। इसके अलावा गुरुवार को 56 भोग भी लगाया जाएगा। मंदिर में फूल बंगला भी सजाया गया है।

Diwali की NASA वाली फोटो की सचाई, देखिए दीपावली की रात कैसा दिखता है भारत

सिटी चीफ इंदौर।
हर साल दीवाली के दौरान एक प्रसिद्ध सैटेलाइट इमेज सोशल मीडिया पर वायरल होती है, जिसको लेकर दावा किया जाता है कि, भारत दीवाली की रात को रोशनी से जगमगाते हुए आंतरिक्ष से ऐसा दिखता है। हालांकि, इस तस्वीर की सचाई वास्तव में कुछ और ही है। यह फोटो अक्सर लोग शेयर करते हैं, लेकिन इसके पीछे की सचाई को जानना आवश्यक है।

दीवाली पर क्यों वायरल होती है यह तस्वीर

दीवाली, जिसे दीपों का त्योहार भी कहा जाता है, हिंदू कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण उत्सव है, जिसे सिखों और जैनों द्वारा भी मनाया जाता है। यह पांच दिनों तक चलता है, जहां परिवार एकत्र होते हैं, उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं, एक साथ भोजन करते हैं और आतिशबाजी का आनंद लेते हैं। दीवाली के दौरान, लोग अपने घरों, दुकानों और पूजा स्थलों को दीपों और रोशनी से सजाते हैं, जिसके कारण लोग ऐसी तस्वीरों को शेयर करतें है। (ऊपर दर्शाई गई तस्वीर अयोध्या में मनाई जाने वाली दीवाली की है।) सेटेलाइट इमेज जो सोशल मीडिया पर वाजनसंख्या को दर्शाती है यह इमेज BBC की एक रिपोर्ट के अनुसार यह फोटो भारत की जनसंख्या वृद्धि को दर्शाने के लिए बनाई गई थी, जिसमें 1992 से 2003 के बीच शहरों में रोशनी में बदलाव को हाइलाइट किया गया है। इसमें सफेद क्षेत्र उन शहरों की रोशनी को दर्शाते हैं जो 1992 से पहले थे, जबकि नीले, हरे और लाल क्षेत्रों में क्रमश: 1992, 1998 और 2003 में दिखाई देने वाली रोशनी को दर्शाया गया है। यरल होती है, वह वास्तव में दीवाली की नहीं है। यह तस्वीर वास्तव में नेशनल ओशियनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशनद्वारा बनाई गई विभिन्न तस्वीरों का कोलैब (संयोजन) है। दीवाली की रात का सच्चा सैटेलाइट इमेज वास्तव में बहुत छोटा होता है। ह्ल ने स्पष्ट किया है कि दीवाली के दौरान उत्पन्न अतिरिक्त रोशनी इतनी कम होती है कि इसे अंतरिक्ष से देख पाना बहुत मुश्किल होता है। वास्तव में, 2012 में NASA ने जो तस्वीर प्रकाशित की, वह दीवाली की रात की असली फोटो है, जो इसके बारे में फैली गलतफहमियों को खत्म करती है।

जैसी मनोकामना, वैसा स्वरूप कमलवासिनी को अर्पित करते हैं भक्त

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर शहर की हदय स्थली राजबाड़ा स्थित महालक्ष्मी मंदिर वर्षों से भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां भक्त जैसी मनोकामना हो माता को मिट्टी या प्लास्टिक से बने स्वरूप को अर्पित करता है। मकान के लिए मकान और कार के लिए कार की आकृति भेंट की जाती है।

साथ ही यहां दीपावली पर हजारों श्रद्धालु पहुंचकर माता को पीले चावल भेंटकर घर में वर्षभर सुख-समृद्धि का वास रहे इसलिए आमंत्रित करते है। यहां विराजित स्वरूप कमलवासिनी और गज लक्ष्मी है। कमल की आकृति पर विराजमान मां के आसपास सुख-समृद्धि का प्रतीक दो हाथी है। ढाई फीट उंची प्रतिमा की स्थापना 191 साल पहले 1833 में की गई थी।

पीले चावल देकर माता को आमंत्रित करते हैं

माता की सेवा कर रहे परिवार की पांचवीं पीढ़ी के पुजारी भानुप्रकाश दुबे कहते हैं कि यहां हर साल दीपावली पर पीले चावल देकर माता को आमंत्रित कर घर ले जाने के लिए 50 हजार से ज्यादा भक्त जुटते हैं। साथ ही जैसी मनोकामना हो वैसे स्वरूप को अर्पित करते हैं। दीपावली पर महिला-पुरुषों की एक-एक किलोमीटर लंबी कतारे सुबह से देर शाम तक लगती है।

यहां से माता के साथ होने के भाव के साथ भक्तों द्वारा घर में कुम-कुम से पदचिन्ह बनाकर माता का प्रवेश घर के पूजन स्थल पर कराया जाता है। इसके बाद शुभ मुहूर्त में पूजन होता है। इसके अतिरिक्त यहां माता को अर्पित चावल कई भक्त बरकत के लिए अपने घर ले जाकर तिजोरी और दुकान के गल्ले में भी रखते हैं।

हर साल देश-विदेश से आते भक्त

नवरात्र से दीपावली तक माता का एक माह तक तीन बार श्रृंगार होता है। दीपावली पर स्वर्ण आभूषण और स्वर्ण मुकुट पहनाए जाते हैं। मंदिर में फूल बंगला सजाकर छप्पन भोग लगाया जाता है। दर्शन की व्यवस्था चलित होती है। हर साल करीब 50 किलो से अधिक चावल एकत्रित हो जाता है। इस चावल को बरकत रूप के में देने के बाद शेष को जरूरतमंदों बांट दिया जाता है।साथ ही भगवान गणेश और रिद्धि-सिद्धि की मूर्ति काले पत्थर की है।

मंदिर का निर्माण राजा हरिराव होलकर ने कराया था। उस समय तीन तल वाला मंदिर था जो आग के कारण तहस-नहस हो गया था।

1942 में मंदिर का पुन: जीर्णोद्धार कराया गया था। इसके बाद 9 साल पहले भी जीर्णोद्धार कर नवीन स्वरूप दिया गया।

इंदौर से देश के विभिन्न हिस्सों के अलावा विदेश में बसे भक्त जब भी इंदौर आते है तो माता के दर्शन के लिए अवश्य आते हैं। दीपावली पर इनकी संख्या सैकड़ों में होती है। इसके अतिरिक्त हर दिन आठ से 10 भक्त वीडियों कांफ्रेंसिंग के जरिए माता के दर्शन करते हैं।

धन्वंतरि मंदिर में धनतेरस का उत्सव भगवान का किया अभिषेक

सिटी चीफ इंदौर।
इन्दौर। मालवा प्रांत के एकमात्र धन्वंतरि मंदिर में धनतेरस का उत्सव मंगलवार को मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम प्रातः भगवान धनवंतरी पंचामृत जड़ी-बुटियों से अभिषेक किया गया। होल्कर स्टेट के राज्य दीवान राज्य वैद्य एवं तत्समय के लोकप्रिय संत विनोबा भावे जी के द्वारा स्थापित धन्वंतरि भगवान का अभिषेक, पूजन किया गया।

मामले में जल्द पेश हो सकता है चालान

बहुचर्चित यातायात घोटाले में लोकायुक्त ने दर्ज किए कौशल के बयान

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। नगर निगम के एक दशक पूर्व बहुचर्चित यातायात घोटाले में लोकायुक्त ने शिकायतकर्ता पूर्व पार्षद दिलीप कौशल के बयान दर्ज कर लिए है शीघ्र ही उक्त मामले में चालान पेश हो सकता है।

पूर्व पार्षद दिलीप कौशल ने बताया कि इंदौर नगर के नागरिक अपने खून पसीने की कमाई से नगर निगम इंदौर को संपत्तिकर तथा अन्य करों का भुगतान करते हैं। उक्त धनराशी नगर का विकास करना निगम का मुख्य उद्देश्य है परन्तु नगर निगम के अफसरों कि कमीशनखोरी के कारण न्यायालय के आदेश के बाद भी भुगतान रोकने से करोड़ो रुपए ब्याज का भार नगर निगम पर पड़ेगा, जो इंदौर कि जनता के साथ धोखा है।

यह है मामला

निगम अफसरों द्वारा कुछेक ठेकेदारों के साथ षड्यंत्र करके यातायात सुविधाओं के नाम पर करोड़ों रुपए के टेंडर प्राप्त किये और अधूरे कामों के बिल बनाकर भुगतान के लिए पेश किए जिसकी शिकायत किये जाने पर तत्कालीन आयुक्त योगेन्द्र शर्मा ने जांच के आदेश देकर सभी ठेकेदारों के भुगतान पर रोक लगाई थी, जांच रिपोर्ट में रजत सेल्स कॉपोर्रेशन तथा रोचक इन्द्रस्टीज को छोड़कर सभी ठेकेदारों के कार्य अपूर्ण एवं मानक स्तर के नहीं पाए गए थे।

ब्याज की राशि दोषियों से वसूलने के लिए करेंगे कानूनी कारवाई श्री रजत सेल्स कॉपोर्रेशन तथा रोचक इन्द्रस्टीज के पक्ष में मध्यप्रदेश सूक्ष्म और लघु उद्यम फेसिलिटेशन काउंसिल भोपाल ने फइक के रेपो रेट से तीन गुना ब्याज सहित राशी देने के आदेश 17 अक्टूबर 2013 को पारित किये थे जिसके विरुद्ध नगर निगम जिला न्यायालय में भी अपील हार गया जिसके बाद भी मोटी कमीशन-खोरी के लालच में भुगतान रोके जाने के कारण 5-23 करोड़ के ठेके पर लगभग 12 करोड़ रुपए ब्याज हो चुका है। कौशल ने यह भी बतया कि जनधन कि सुरक्षा के लिए उनके द्वारा हर संभव प्रयास किये जायेंगे तथा ब्याज की राशि दोषियों से वसूलने के लिए भी कानूनी कारवाई की जायेगी।

भोपाल, विंध्य प्रदेश, मध्य भारत, सीपी और बरार को मिलाकर बना था मध्य प्रदेश

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस को एक नवंबर को मनाया जाएगा। 1956 में देश में हुए राज्यों के पुनर्गठन के दौरान मध्य प्रदेश नया राज्य बना था। इतिहास को देखें तो 26 जनवरी 1950 में पहली बार भारत में संविधान लागू किया गया था। इसके बाद पहली बार देश में 1952 में चुनाव हुए थे। चुनाव के बाद संसद के साथ विधान मंडल भी शुरू हुए। मध्य भारत में आने वाले क्षेत्र के अलग-अलग क्षेत्रों को मिलाकर मध्य प्रदेश बना।

देश का दिल है मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश देश के बीचों-बीच स्थित है, इसलिए इसे भारत का दिल भी कहते हैं। जब 1947 में देश को आजादी मिली, तो यह कई हिस्सों में बंटा हुआ था। विंध्य प्रदेश और मध्य भारत को सबसे पहले सेंट्रल एजेंसी से भी अलग किया गया था। आजादी के तीन साल बाद 1950 में बरार और मध्य प्रांत का नाम बदला गया और इसे नया नाम मध्य प्रदेश रखा गया।

इस दौरान सभी प्रदेशों का गठन भाषा के आधार पर किया था। 1950 में भोपाल, विंध्य प्रदेश, मध्य भारत और मध्य प्रदेश की अपनी-अपनी विधानसभाएं भी थीं। 1956 में मध्य प्रदेश का निर्माण भोपाल, विंध्य प्रदेश, मध्य भारत, सेंट्रल प्रोविंस(सीपी) और बरार को मिलाकर हुआ था। मध्य प्रदेश के साथ इसे मध्य भारत के नाम से भी बुलाया जाता था।

राजधानी बनाने के लिए बड़े शहरों के बीच हुई खींचतान

मध्य प्रदेश का बनाने के साथ ही 1956 में भोपाल को इसकी राजधानी बनाया गया। बड़े शहरों इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर और भोपाल के बीच राजधानी बनाने को लेकर खींचतान भी हुई। सबसे पहले तो इंदौर और ग्वालियर को राजधानी बनाए जाने की मांग उठी थी। इसके बाद बड़े शहर जबलपुर का नाम भी इसमें शामिल हो गया।

ऐसे भोपाल बन गई प्रदेश की राजधानी

राज्य पुनर्गठन आयोग ने जब सभी बड़े शहरों की जानकारी ली तो उसमें भोपाल में सबसे ज्यादा भवन मिले। ऐसे सरकार कार्यालयों को बनाने के लिए यह सबसे उपयुक्त जगह थी। इसके बाद भोपाल को राजधानी बनाए जाने पर मुहर लग गई।

भोपाल के नवाब कर रहे थे विरोध

देश को आजादी मिलने के बाद से भोपाल के नवाब लगातार इसका विरोध कर रहे थे। वे भारत के साथ नहीं आना चाहते थे। इस दौरान उन्होंने हैदराबाद के निजाम के साथ मिलकर भारत का विरोध भी शुरू कर दिया था। उनकी इस गतिविधि को रोकने के लिए भी भोपाल को राजधानी बनाने का निर्णय लिया गया। ताकि प्रदेश में सरकार यही से चले।

मध्य प्रदेश से जुड़ी खास बातें

मध्य प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री पंडित रविशंकर शुक्ल थे।

प्रदेश के पहले राज्यपाल डॉक्टर बी. पट्टाभिसीतारमैया थे।

1 नवंबर 2000 को मध्य प्रदेश से अलग कर छत्तीसगढ़ बना।

मध्य प्रदेश की सीमाएं पांच राज्यों से मिलती हैं।

प्रदेश के दक्षिण में महाराष्ट्र और उत्तर में उत्तर प्रदेश है।

प्रदेश के पश्चिम में गुजरात और दक्षिण में महाराष्ट्र है।

प्रदेश के पूर्व में छत्तीसगढ़ और उत्तर-पश्चिम में राजस्थान है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया-नरेंद्र सिंह तोमर के बीच सियासी संतुलन बनाएगा विजयपुर उपचुनाव

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का कभी ग्वालियर-चंबल अंचल में एकतरफा वर्चस्व हुआ करता था लेकिन जबसे ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने समर्थकों के साथ पार्टी में आए हैं, तबसे उनका कद प्रभावित हुआ है। डा. मोहन यादव सरकार में ही देखा जाए तो एदल सिंह कंषाना को छोड़कर अधिकतर मंत्री ज्योतिरादित्य समर्थक ही हैं।

यही कारण है कि नरेंद्र सिंह तोमर लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रहे रामनिवास रावत को भाजपा में लाए और उन्हें मंत्री बनाया गया। इससे कुछ हद तक ज्योतिरादित्य सिंधिया का वजन कम हुआ है। अब रामनिवास रावत का साथ पाकर एक बार फिर नरेंद्र सिंह तोमर ग्वालियर-चंबल की राजनीति में भाजपा के बड़े नेता बनने में सफल हुए हैं। यही वजह है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया विजयपुर उपचुनाव में कम ध्यान दे रहे हैं।

सिंधिया के करीबी थे रामनिवास

कांग्रेस में रहते हुए रामनिवास रावत ज्योतिरादित्य के करीबी थे लेकिन वर्ष 2020 में जब ज्योतिरादित्य ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस छोड़ी थी, तब छह बार के विधायक रामनिवास रावत ही अंचल में ऐसे बड़े नेता थे, जो पार्टी के साथ बने रहे थे। इसके दोनों के संबंध प्रभावित हुए थे।

2020 में पलड़ा था भारी

दरअसल, वर्ष 2020 से ही ग्वालियर- चंबल की राजनीति में असंतुलन की स्थिति बनी हुई है। तब तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कैबिनेट में इस अंचल के इतने अधिक मंत्री बन गए थे कि पूरे प्रदेश में प्रतिनिधित्व बिगड़ गया था। तब ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले प्रद्युम्न सिंह तोमर, इमरती देवी, ओपीएस भदौरिया, सुरेश राठखेड़ा, महेंद्र सिंह सिसौदिया, बृजेंद्र सिंह यादव और गिर्राज दंडोतिया शामिल थे।

उपचुनाव में दो मंत्री इमरती देवी और गिर्राज दंडोतिया चुनाव हार गए थे। उस समय से ही मध्य प्रदेश की राजनीति में ज्योतिरादित्य सिंधिया का महत्व बढ़ गया था। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में केंद्र की राजनीति में सक्रिय नरेंद्र सिंह तोमर को भी चुनाव लड़वा दिया गया। उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया।

अब एकबार फिर पलड़ा हो रहा बराबर

डा. मोहन यादव मुख्यमंत्री बने तो भी उनकी कैबिनेट में ज्योतिरादित्य सिंधिया के ही समर्थक ज्यादा थे। चंबल की राजनीति में नरेंद्र सिंह तोमर इस लिहाज से अकेले पड़ गए थे।

कहा जाता है कि केवल एदल सिंह कंषाना ही उनके साथ थे। यही वजह है कि नरेंद्र सिंह तोमर के प्रयास लोकसभा चुनाव के दौरान रंग लाए और वे कांग्रेस से रामनिवास रावत को तोड़कर भाजपा में ले आए।

पार्टी के नेता मान रहे हैं कि रामनिवास रावत चुनाव जीतेंगे तो नरेंद्र सिंह तोमर का वजन बढ़ेगा। यही कारण है कि नरेंद्र सिंह तोमर ही उपचुनाव के सूत्र भी संभाल रहे हैं।

मप्र में दीवाली के बाद से बढ़ेगी हल्की ठंड, बारिश की उम्मीदें कम

सिटी चीफ भोपाल।

अभी मौसम प्रणालियां कमजोर स्थिति में हैं। इस वजह से अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में वर्षा की संभावना नहीं है। संभावना है कि दीपावली के बाद हवाओं का रुख उत्तरी हो जाएगा। इसकी वजह से रात के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट होगी। इसी के साथ हल्की ठंड का आगाज हो जाएगा। भोपाल मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। पाकिस्तान और उससे लगे जम्मू कश्मीर पर एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में है।

वर्षा होने की भी उम्मीद कम

वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला का कहना है कि ये दोनों मौसम प्रणालियां काफी कमजोर स्थिति में हैं। इस वजह से प्रदेश में मौसम लगभग शुष्क बना हुआ है। वर्षा होने की भी उम्मीद कम है। वर्तमान में निचले स्तर पर पूर्वी हवाएं चल रही हैं, जबकि ऊपर के स्तर पर पश्चिमी हवाएं चल रही हैं।प्रदेश के सभी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट नहीं हो रही है। गुरुवार को पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ जाने की संभावना है, जिसके बाद हवाओं का रुख उत्तरी हो जाएगा। दो दिन बाद रात के तापमान में गिरावट होने के आसार हैं। इससे प्रदेश में हल्की ठंड की शुरुआत हो जाएगी।

खजुराहो सबसे गर्म, पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा

प्रदेश में अभी दिन का तापमान बढ़ा हुआ है। बुधवार को खजुराहो प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। वहीं प्रदेश के 14 शहरों में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का पारा 14.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

MP में अब आदतन क्रिमिनल्स की खैर नहीं हर एक पर रहेगी खुफिया पुलिस की नजर

सिटी चीफ भोपाल।

कुछ अपराधी एक-दो नहीं बल्कि चार-पांच बार तक एक ही तरह के संगठित अपराध कर रहे हैं, पर पुलिस को इसका पता तब चलता है जब वह पकड़ा जाता है। ऐसे अपराधी अब पुलिस के रडार पर रहेंगे। उनकी हर गतिविधि पर एसटीएफ की खुफिया नजर रहेगी। जरूरत पर जिला पुलिस बल का सहयोग भी कुछ अपराधियों पर नजर रखने के लिए लिया जाएगा।

मप्र स्पेशल टास्क फोर्स ने ऐसे 1200 से अधिक अपराधियों को चिह्नित किया है। इनमें दो या अधिक बार एक ही तरह के अपराध करने वाले शामिल हैं। कुछ तो लंबे समय तक जेल में रहकर आए और फिर उसी अपराध की दुनिया में पहुंच गए।

आठ श्रेणियों में अपराधी चिह्नित

अपराध की प्रकृति के आधार पर आठ अलग-अलग श्रेणियों में अपराधियों को चिह्नित किया गया है। इसमें नारकोटिक्स, वन्य जीवों की तस्करी, अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री, जुआ-सट्टा जैसे अपराध शामिल हैं। पुलिस के रडार में रहने से अब वह फिर अपराध करते हैं तो जल्दी पकड़े जा सकेंगे। साथ ही ऐसे अपराधी का डाटा भी तैयार हो सकेगा जो लंबी सजा काटने के बाद भी बार-बार अपराध कर रहे हैं। पुलिस का सबसे अधिक ध्यान इन्हीं की गतिविधियों पर रहेगा।

मादक पदार्थों के तस्करों पर

पुलिस की नारकोटिक्स शाखा द्वारा चलाए जाने वाले विशेष अभियानों के दौरान भी मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में पकड़े गए लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। एसटीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मादक पदार्थों का अवैध कारोबार करने वाले 25 हजार आरोपितों एवं अपराधियों का डाटा उनके पास है, जिसमें दो से अधिक बार अपराध करने वालों को चिह्नित किया गया है।

कैसे-कैसे मामले

नारकोटिक्स के प्रकरण में उज्जैन के एक आरोपित को 10 वर्ष की सजा हुई। जेल से छूटने के बाद वह फिर उसी काम में लग गया। इसी माह पुलिस ने फिर उसे गिरफ्तार किया है।

भोपाल में एमडी ड्रग मामले में गिरफ्तार किए गए मंदसौर के हरीश आंजना के विरुद्ध पहले से ही चार प्रकरण दर्ज थे। इसके बाद मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में उसके कदम बढ़ रहे थे। पुलिस की खुफिया नजर उस पर रहती तो पहले ही मामले का पर्दाफाश हो जाता।

बिजली सब-स्टेशन के पास पटाखा दुकान को किसने दी अनुमति, धड़ल्ले से बेचे जा रहे सुतली बम

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी के बैरसिया मुख्य मार्ग पर बिजली सब स्टेशन के पास ही एक पटाखा कारोबारी द्वारा बड़े स्तर पर पटाखा दुकान का संचालन किया जा रहा है। हैरत की बात यह है कि इस दुकान को बिजली सब-स्टेशन के पास संचालित करने की आखिर अनुमति किसने दी है। जबकि इसके बारे में स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी सभी को जानकारी है। इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

जानकारी के अनुसार रतुआ रतनपुर पंचायत के पास स्थित बिजली सब स्टेशन के नजदीक सड़क किनारे मौजूद हाई टेंशन लाइन के पोल के सामने ही पटाखा दुकान संचालित की जा रही है। इस दुकान पर बड़ी मात्रा में तरह-तरह के पटाखे बेचे जा रहे हैं।

सूत्र बताते हैं कि यहां कारोबारी के द्वारा सुतली बम जैसे प्रतिबंधित पटाखे भी बनाकर बेचे जाते हैं। दरअसल फरवरी में हुए हरदा फैक्ट्री कांड के बाद इस दुकान को तत्कालीन एसडीएम विनोद सोनकिया ने निरीक्षण के बाद सील कर दिया था। यहां पर सुतली बम सहित अन्य पटाखे असुरक्षित इंतजाम और अवैध रूप से बनाए जा रहे थे। उनका तबादला होते कारोबारी द्वारा अपने रसूख की दम पर फिर से अनुमति लेकर दुकान का संचालन किया जा रहा है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सख्त निर्देश दिए गए हैं कि बिजली के पोल, सब स्टेशन, ट्रांसफार्मर आदि के पास किसी भी तरह के पटाखा कारोबार का संचालन नहीं किया जाएगा। यदि ऐसा किया जाता है तो यह अपराध की श्रेणी में आता है और इसके तहत कारोबारी व अनुमति देने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

इनका कहना है

रतुआ रतनपुर में बैरसिया रोड पर पटाखा दुकान के संचालन की जानकारी मिली है, जहां पास ही में बिजली सब-स्टेशन और दुकान के सामने पोल होने का भी पता चला है। इसकी जांच कर कार्रवाई करने के लिए तहसीलदार को निर्देशित किया गया है।

– आशुतोष शर्मा, एसडीएम, बैरसिया

20 मार्क्स का प्रोजेक्ट वर्क, खेत पर एक दिन रहने का अनुभव लिखेंगे विद्यार्थी

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश बोर्ड की पांचवीं व आठवीं बोर्ड की परीक्षा फरवरी-मार्च में आयोजित होनी है। राज्य शिक्षा केंद्र ने इसके लिए अंक योजना और प्रोजेक्ट के विषयों की सूची बनाई है। अंक योजना में 60 अंक की लिखित परीक्षा और 40 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे।

आंतरिक मूल्यांकन में भी 20 अंक का प्रोजेक्ट कार्य होगा। इसके तहत पांचवीं के विद्यार्थियों को अपने खेत पर एक दिन रहने का अनुभव लिखना होगा। प्रोजेक्ट के लिए परीक्षा की तैयारी कैसे करते हैं, गांव या शहर में से कौन सुंदर लगता है, पांच फूलों को सुखाकर प्रोजेक्ट कॉपी पर चिपका कर विवरण भी लिखें, जैसे विषय चुने गए हैं।

भ्रमण पर गए हैं तो विवरण डायरी में लिखने को देंगे

वहीं आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए प्रोजेक्ट के विषयों में पिछले दिनों कहीं भ्रमण पर गए हैं तो उसका विवरण डायरी के रूप में लिखने को दिया जाएगा। इसके अलावा वाद्ययंत्रों के नाम और उनके विवरण जैसे विषयों पर प्रोजेक्ट तैयार करना होगा।

कुछ इस तरह के होंगे प्रश्न

खेती में कौन-कौन से औजारों का उपयोग किया जाता है।

आपके गांव में दशहरा कैसे मनाया जाता है और कौन-कौन से त्योहार मनाए जाते हैं। पूरा विवरण लिखिए।

आपके शहर या गांव में कौन सा स्थान सबसे सुंदर लगता है।

आपने कभी किसी की सहायता की है तो उसे लिखकर अनुभव बताइए।

राष्ट्र के प्रहरी बिना सेना में भर्ती हुए भी बन सकते हैं, यदि हां तो कैसे।

पुराने अखबार से प्राकृतिक आपदाओं के चित्र काटकर उसका पूरा विवरण लिखिए।

आपके घर या उसके आसपास सफाई करने वाले की पूरी जानकारी लिखिए।

पांच मसाले, पांच अनाज आदि लेकर स्क्रैप बुक पर चिपकाकर विवरण लिखिए।

शासन की ओर से विशेष बच्चों के लिए कौन सी योजनाएं संचालित हो रही हैं, विवरण लिखिए।

10 बच्चों और 10 बुजुर्गों के आंखों के पावर की सूची बनाएं और विवरण लिखें।

मोबाइल से होने वाले दुष्प्रभावों को लिखिए।

संक्रामक रोगों की सूची बनाएं और विवरण लिखें।

आप दोस्तों के साथ कौन सा खेल खेलते हैं।

सम्पादकीय

आत्मनिर्भरता की उड़ान : स्वदेशी विमान निर्माण से सेना को संबल

निश्चित रूप से केंद्र सरकार की ऐसी कोशिशों से जहां हम रक्षा उत्पादन के क्षेत्रों में आत्मनिर्भर होंगे, वहीं इससे देश में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। ऐसा करके हम न केवल अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ा सकते हैं बल्कि इन उत्पादों के निर्यात की दौड़ में भी शामिल हो सकते हैं। यकीनी तौर पर देश की अर्थव्यवस्था को भी इससे बड़ा संबल मिलेगा। बहरहाल, यह तय है कि भारतीय सेना में सी-295 विमानों के शामिल होने से हम पुराने रूसी विमानों के जोखिम से भी बच सकेंगे। साथ ही सामरिक क्षेत्र में यह देश की बढ़त भी होगी। वहीं देश में रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। कहा जा रहा है कि देश में सी-295 की निर्माण परियोजना से तीन हजार प्रत्यक्ष और 15 हजार परोक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

अक्सर कहा जाता रहा है कि भारतीय सेना के युद्धक व मालवाहक विमान पुराने पड़ चुके हैं। निस्संदेह, वायुसेना व सेना को इसकी कीमत भी चुकानी पड़ती थी। लेकिन यह सुखद है कि देश में पहली बार एक स्वदेशी निजी कंपनी आत्मनिर्भर भारत अभियान को संबल देकर देश में सेना के लिये युद्धक विमानों का निर्माण करेगी। जब वडोदरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके स्पेनिश समकक्ष पेद्रो सांचेज ने टाटा एअरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स में इस महत्वाकांक्षी परियोजना की बुनियाद रखी, तो निश्चय ही भारत एक नये युग में प्रवेश कर रहा था। पहली बार कोई निजी कंपनी विमान निर्माण के क्षेत्र में कदम रख रही थी। वह भी देश का भरोसेमंद और एअर इंडिया का उद्धार करने वाला टाटा समूह का उपक्रम। निश्चित ही हम मेक इन इंडिया के संकल्प को हकीकत बनता देख रहे हैं। साथ ही हम उस दाग को धोने की तरफ भी आगे बढ़े हैं कि जिसके बाबत कहा जाता है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े हथियार खरीददार देशों में शुमार है। उल्लेखनीय है कि टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड और स्पेन की एअरबस के संयुक्त उपक्रम में 40 सी-295 विमानों का निर्माण होगा। यह भी कि स्पेन व भारत के मध्य कुल 56 विमानों को लेकर समझौता हुआ था, जिसमें 16 तैयार विमान स्पेन से भारत को मिलने हैं। दरअसल, सी-295 विमान सैनिकों, साजो-सामान तथा हथियारों को लाने-ले जाने में खासा मददगार होता है। साथ ही यह छोटी हवाई पट्टी व दुर्गम इलाकों से भी उड़ान भर सकता है। यह अच्छी बात है कि बीते कुछ वर्षों में भारत सरकार ने उन्नत एवं तकनीकी क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने को अपनी प्राथमिकता बनाया है। जिसमें रक्षा उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों, ग्रीन हाइड्रोजन तथा सेमीकंडक्टर का उत्पादन शामिल है। अपने इस अभियान में सरकार ने न केवल विदेशी निवेश को आमंत्रित किया बल्कि देश के निजी क्षेत्र को भरपूर संसाधन व पर्याप्त मौके उपलब्ध कराए हैं। तय मानिये कि आने वाले वाले वर्षों में इसके सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। निश्चित रूप से केंद्र सरकार की ऐसी कोशिशों से जहां हम रक्षा उत्पादन के क्षेत्रों में आत्मनिर्भर होंगे, वहीं इससे देश में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। ऐसा करके हम न केवल अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ा सकते हैं बल्कि इन उत्पादों के निर्यात की दौड़ में भी शामिल हो सकते हैं। यकीनी तौर पर देश की अर्थव्यवस्था को भी इससे बड़ा संबल मिलेगा। बहरहाल, यह तय है कि भारतीय सेना में सी-295 विमानों के शामिल होने से हम पुराने रूसी विमानों के जोखिम से भी बच सकेंगे। साथ ही सामरिक क्षेत्र में यह देश की बढ़त भी होगी। वहीं देश में रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। कहा जा रहा है कि देश में सी-295 की निर्माण परियोजना से तीन हजार प्रत्यक्ष और 15 हजार परोक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा बड़ोदरा व उसके आसपास के इलाके की आर्थिकी को नई गति भी मिलेगी। वहीं इन विमानों में उपयोग होने वाले स्वदेशी कल-पुर्जों से भी विभिन्न आय के साधन विकसित होंगे। विगत के अनुभव रहे हैं कि भारत के मुश्किल वक्त में हथियारों की आपूर्ति में विदेशी सरकारों ने मदद करने में आनाकानी की थी। लेकिन बहुत संभव है कि सी-295 परियोजना की सफलता के बाद भारत रक्षा उत्पादों के निर्यात में भागीदारी कर सकेगा। संभावना यह भी कि कालांतर देश में ऐसी विशिष्ट उत्पादों के निर्माण की संस्कृति विकसित हो, जो न केवल देश को हथियार उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाये, बल्कि भारत की तीनों सेनाओं का मनोबल भी ऊंचा करे। अंतत: देश के समक्ष उत्पन्न किसी भी रक्षा चुनौती का सेनाएं भी तत्परता से मुकाबला कर सकेंगी। वैसे भी किसी देश की सेना की क्षमता का मूल्यांकन उसकी वायुसेना की ताकत व आधुनिक युद्धक विमानों की उपलब्धता से ही होता है।

सकारात्मक ऊर्जा जगाने का आध्यात्मिक पर्व भी है दीपावली

आज दीपावली उत्सव में पारंपरिक रीति-रिवाजों को समकालीन प्रथाओं के साथ मिश्रित किया गया है। त्योहार से कुछ हफ्ते पहले घरों की पूरी तरह से सफाई और सजावट की जाती है। रंगीन पाउडर से बने विस्तृत रंगोली डिजाइन, प्रवेश द्वारों को सजाते हैं, जबकि बिजली की रोशनी के तार शहरों को जगमग प्रदेश में बदल देते हैं। यह त्योहार एक प्रमुख सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम के रूप में विकसित हुआ है। पारिवारिक समारोहों में पारंपरिक मिठाइयों और स्वादिष्ट व्यंजन परोसे जाते हैं। उपहारों का आदान-प्रदान होता है। बच्चे उत्सुकता से आतिशबाजी का इंतजार करते हैं। शहरी क्षेत्रों में लोग सांस्कृतिक-कार्यक्रम व सामूहिक प्रार्थना भी शामिल होते हैं।

दीपावली शब्द संस्कृत से आया है, जहां दीप का अर्थ है प्रकाश और अवली का अर्थ है पंक्ति -जिसका शाब्दिक अर्थ है रोशनी की पंक्ति। यह पर्व हिंदू माह, कार्तिक की अमावस्या को मनाया जाता है। पर्व का उत्सव आमतौर पर पांच दिनों तक चलता है, प्रत्येक दिन का अपना महत्व, अनुष्ठान और रीति-रिवाज होते हैं। तीसरे दिन को मुख्य दिवाली उत्सव मनाया जाता है।

वनवास के 14 साल के बाद, भगवान श्रीराम, माता सीता और भाई लक्ष्मण अपने राज्य अयोध्या लौटे थे। लंका विजय के बाद श्रीराम अयोध्या लौटे। अयोध्या के लोगों ने भगवान राम के मार्ग को रोशन करने के लिए मिट्टी के दीयों की पंक्तियां जलाकर उनका स्वागत किया। यह विजयी वापसी अंधेरे पर प्रकाश की, बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भगवान राम की वापसी की खुशी में ढोल और शंख बजाए गए और अयोध्या वासी सड़कों पर खुशी से नृत्य करने लगे। हिमालयी परंपरा और ज्ञान के अनुसार लोगों को ज्ञान प्राप्त करते समय यही खुशी अपने दिल में रखनी चाहिए। अपने जीवन को समृद्ध बनाने के लिए योग प्रथाओं को अपनाना चाहिए।

भारत के अन्य हिस्सों में, यह त्योहार विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं की याद दिलाता है। दक्षिण भारतीय इसे उस दिन के रूप में मनाते हैं, जिस दिन भगवान कृष्ण ने राक्षस नरकासुर को हराया था। जबकि जैन समुदाय इसे भगवान महावीर ने निर्वाण दिवस के रूप में मनाता है। सिखों के लिए, दीपावली बंदी छोड़ दिवस के साथ मेल खाती है, यह पर्व मुगल सम्राट जहांगीर द्वारा कारावास से गुरु हरगोबिंद जी की रिहाई का प्रतीक है।

घरों को रंगोली से सजाया जाता है। लोग दीये जलाते हैं। परिवार में उपहारों और मिठाइयों का आदान-प्रदान करते हैं। नए कपड़े पहने जाते हैं और समृद्धि के लिए देवी लक्ष्मी से प्रार्थना की जाती है। आतिशबाजी का प्रदर्शन बुरी आत्माओं को दूर भगाने का प्रतीक है। आज दीपावली उत्सव में पारंपरिक रीति-रिवाजों को समकालीन प्रथाओं के साथ मिश्रित किया गया है। त्योहार से कुछ हफ्ते पहले घरों की पूरी तरह से सफाई और सजावट की जाती है। रंगीन पाउडर से बने विस्तृत रंगोली डिजाइन, प्रवेश द्वारों को सजाते हैं, जबकि बिजली की रोशनी के तार शहरों को जगमग प्रदेश में बदल देते हैं। यह त्योहार एक प्रमुख सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम के रूप में विकसित हुआ है। पारिवारिक समारोहों में पारंपरिक मिठाइयों और स्वादिष्ट व्यंजन परोसे जाते हैं। उपहारों का आदान-प्रदान होता है। बच्चे उत्सुकता से आतिशबाजी का इंतजार करते हैं। शहरी क्षेत्रों में लोग सांस्कृतिक-कार्यक्रम व सामूहिक प्रार्थना भी शामिल होते हैं।

जैसे-जैसे भारतीय समुदाय विश्व स्तर पर फैला है, दीपावली को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिल गई है। दुनिया के प्रमुख शहर अब न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर लंदन के ट्राफलगर स्क्वायर तक दीपावली पे सार्वजनिक समारोह आयोजित करते हैं। इस वैश्वीकरण ने उत्सवों को स्थानीय संदर्भों में ढाल विश्व बिरादरी को उत्सव की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया है। प्रकाश, ज्ञान और अच्छाई के उत्सव के रूप में, दीपावली लाखों लोगों के जीवन को रोशन कर रही है। पीढ़ियों और भौगोलिक सीमाओं के पार एकता, खुशी और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा दे रही है।

प्रकाश, ज्ञान और बुद्धिमत्ता का प्रतीक है इसलिए दिवाली पर हम इसे अपने घरों में दीपक जलाकर मनाते हैं। अंधकार प्रकाश की अनुपस्थिति है और अंधकार अज्ञानता और नकारात्मक शक्तियों का प्रतिनिधित्व करता है। यह त्योहार आंतरिक रोशनी और आत्म-प्रतिबिंब को प्रोत्साहित करता है। अपने बाहरी उत्सवों से परे, दीपावली का गहरा आध्यात्मिक महत्व है। दीपक जलाना आंतरिक प्रकाश का प्रतीक है जो आध्यात्मिक अंधकार से बचाता है, जो अज्ञान पर ज्ञान, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा का प्रतिनिधित्व करता है। यह रूपक पहलू इस त्योहार को सांस्कृतिक और धार्मिक सीमाओं के पार प्रासंगिक बनाता है।

हिमालय का दिव्य ज्ञान सलाह देता है कि जब हम अपने घरों में दीपक जलाते हैं तो हमें अपने प्रियजनों के घरों में भी दीपक जलाना चाहिए। यह दीपावली के पवित्र त्योहार के दौरान प्यार और दूसरों की देखभाल की भावना को औरों के साथ बांटने की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। इससे सकारात्मकता का निर्माण होता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इस जीवन का केवल एक ही उद्देश्य है और वह है सद्भाव और आनंद। हम सभी को इन गुणों को अपने जीवन में आमंत्रित करने और विकसित करने का प्रयास करना चाहिए। सभी को हिमालयी परंपरा के अनुसार आनंदमय जीवन का संदेश फैलाना चाहिए।

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया: कमाल की निर्देशक जूली डैश

कुछ समय पहले तक अश्वेत अभिनेताओं को परदे पर कोई नहीं देखना चाहता था। यदि वे परदे पर आते तो मात्र गुलाम अथवा घरेलू सहायिका के रूप में। उनके निर्देशक के रूप की कल्पना असंभव थी, मगर समय के साथ सोच बदली, सोच के साथ समाज बदला। समाज के नियम बदले। इन नियमों के बदलने के लिए बहुत लोगों ने संघर्ष किया, विद्रोह किया, क्रांतियां हुई। कइयों ने बलिदान दिया। इनके संघर्ष-बलिदान का नतीजा हुआ आने वाली पीढ़ियां स्वतंत्रता की सांस ले सकीं, उनके लिए मार्ग खुल गया।

जूली डैश ऐसी ही एक स्त्री हैं जिन्होंने आगे वालों को राह दिखाई, उनमें आत्मविश्वास पैदा किया। उन्होंने अपने कार्य से फिल्म दुनिया में इस असंभव को संभव कर दिखाया। उनको प्रेरणा देने वाली भी उन्हीं की बिरादरी की अश्वेत स्त्रियां रही हैं। असल में जूली डैश को अश्वेत महिला उपन्यासकारों ने लुभाया। सत्तर के दशक में जूली का अश्वेत महिला उपन्यासकारों खासकर एलिस वॉकर, टोनी मॉरीसन, टोनी सेड बाम्बारा आदि के काम से परिचय हुआ। इससे जूली के नजरिए में आमूलचूल परिवर्तन हो गया।

1975 में उन्होंने फोर वीमेन एक प्रयोगात्मक शॉर्ट फिल्म बनाई और पहली फिल्म के लिए उन्हें मियामी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल में गोल्ड मेडल फॉर वीमेन इन फिल्म पुरस्कार मिला। फिर यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया में फिल्म मेकिंग की पढ़ाई करते हुए उन्होंने 1977 में 13 मिनट की डायरी ऑफ एन अफ्रीकन नन निर्देशित की। उनकी यह पहली नरेटिव फिल्म एलिस वॉकर की एक कहानी पर आधारित है। इस फिल्म में सिस्टर ग्लोरिया की भूमिका अश्वेत बारबाराओ ने की है। सिस्टर ग्लोरिया अपने नजरिए और अनुभवों को यहां दर्शकों से साझा करती है। हॉलीवुड में अश्वेत पात्रों के साथ न्याय नहीं होता है, इसी बात को जूली ने अपनी फिल्म इलूशन्स में दिखाया है। 34 मिनट की इस फिल्म में हल्के रंग की मिगनॉन डुप्री स्टूडियो एक्जक्यूटिव है और अपने हल्के रंग के कारण बड़े आराम से श्वेत लोगों में घुलमिल जाती है।

इसी तरह एस्थर जीटर एक अश्वेत गायिका हॉलीवुड के नामीगिरामी श्वेत अभिनेताओं के लिए डबिंग का काम करती है। डुप्री खुद तो श्वेत जैसी दीखने के कारण भेदभाव से बची रहती है, मगर दूसरी अश्वेत स्त्रियों के साथ होने वाले रंगभेद को देखती रहती है। जीटर इतनी काली है कि हॉलीवुड उसे परदे पर नहीं देखना चाहता है, लेकिन उसकी आवाज के जादू का फायदा उठाता है। अश्वेतों के जटिल जीवन को यह फिल्म इलूशन्स प्रस्तुत करती है। सिने-संसार केवल श्वेत दुनिया है, इस मिथ को यह फिल्म तोड़ती है। इसने अमेरिका के नेशनल फिल्म प्रिजर्वेशन बोर्ड का खिताब जीता।

22 अक्टूबर 1952 को न्यूयॉर्क में जन्मी जूली डैश ने नस्ल और लिंग की सीमाओं को तोड़ने का काम किया है। उन्हें फिल्म डॉटर ऑफ द डस्ट केलिए सनडॉन्स पुरस्कार (सर्वोत्तम सिनेमाटोग्राफी) प्राप्त हुआ। चार पुरस्कार पाने वाली, 1991 में निर्देशित इस फिल्म की कहानी भी उन्होंने स्वयं लिखी है।

इसकी कहानी 1902 में साउथ कैरोलाइन टापू में चलती है और गुलाह की तीन पीढ़ियों को प्रस्तुत करती है।

दस वर्ष के लम्बे समय में बनी, असामान्य सुंदरता की फिल्म डॉटर्स ऑफ द डस्ट के बीस साल पूरे होने पर 2012 में एक बड़ा समारोह करके यह फिल्म नए दर्शकों को दिखाई गई, इसके निर्माण, प्रदर्शन और इस पर चर्चा भी हुई। इस समारोह में ऐसे दर्शक उपस्थित थे, जिन्होंने यह फिल्म दसियों बार पहले भी देखी थी। इस फिल्म ने अफ्रो-अमेरिकन स्त्री की छवि बदल डाली है। इसमें अफ्रीकन इतिहास, मिथक, लोक कथाओं-विश्वासों का सकारात्मक प्रयोग किया गया है। यह अफ्रीकी लोगों की सशक्त आध्यात्मिक शक्ति को रेखांकित करती है।

मौखिक कथाओं द्वारा आगे बढ़ती यह एक जटिल कहानी है। फिल्म का अंत अजन्मी बच्ची के स्वर से होता है, यह स्वर कहता है- हम पीछे रह गए, बढ़ते, बुद्धिमान होते, मजबूत होते।

जूली डैश को दो साल के लिए फेलोशिप मिली और उसने कई प्रसिद्ध फिल्मकारों से फिल्म कला सीखी। जल्द ही उसने अपनी एक खास फिल्म शैली विकसित कर ली। उसने काइनेस्थेटिक मूवमेंट को आधार बना कर फोर वीमेन नामक एक प्रयोगात्मक डांन्स फिल्म बनाई। इस फिल्म को 1978 में मियामी अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में गोल्ड मेडल फॉर वीमेन इन फिल्म का पुरस्कार मिला।

डैश ने सोचा था वे डॉक्यूमेंट्री नहीं बनाएंगी, लेकिन आदमी जो सोचता है, वही नहीं होता है। जब-जब फीचर फिल्म बनाने की बात आती, उसके लिए एक बड़े बजट की जरूरत होती। नए लोगों के लिए, उसमें भी स्त्री के लिए फिल्म बनाने के लिए राशि जमा कर पाना कभी आसान नहीं रहा है। जूली डैश को भी जब फीचर फिल्म बनानी होती यह समस्या आती। अत: अन्य स्रोतों के अलावा वे खुद डॉक्यूमेंट्री बना कर भी अपनी फिल्मों के लिए धन एकत्र करतीं। इस तरह उसकी झोली मे कई डॉक्यूमेंट्री फिल्में आ गई। इनमें से एक प्रमुख डॉक्यूमेंट्री है द रोजा पार्कस स्टोरी है।

आज रोजा पार्क और माउंटगोमरी असहयोग आंदोलन एक दूसरे का पर्याय हैं। रोजा पार्क्स ने एक श्वेत यात्री के लिए बस की अपनी सीट देने से इंकार किया और इस दोष के चलते उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके प्रतिरोध में उस इलाके के अश्वेतों ने एक साल से ऊपर उस सड़क पर चलने वाली बसों का बहिष्कार किया। अब भला जब घाटा होगा तो लोगों का ध्यान उसके कारण पर जाएगा ही। आंदोलन के कई अन्य फायदे होते हैं। इस आंदोलन का एक फायदा हुआ, इससे कई अश्वेत लीडर उभरे। यहां तक कि कानून बदला गया। आज रोजा पार्क्स के नाम पर सड़क और कई अन्य संस्थाएं हैं। जूली डैश ने इसी को लेकर टीवी केलिए फिल्म बनाई। इस फिल्म में रोजा पार्क्स की भूमिका एन्जेला बैसेट ने की है। पीटर फ्रांसिस जेम्स रेमंड पार्क्स की भूमिका में हैं। फिल्म को कई पुरस्कार मिले।

जूली डैश ने डॉक्यूमेंट्री, लघु, टीवी एवं फीचर मिला कर 22 फिल्मों का निर्देशन किया है। 7 फिल्मों का लेखन किया है साथ ही 7 फिल्में प्रड्यूस भी की हैं। कई अन्य पुरस्कारों के साथ-साथ उन्हें 2020 का विनर होराइजन का पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

बिजुरी पुलिस ने गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार

2 किलो ग्राम अवैध गांजा समेत अन्य सामान बरामद

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, दिनांक 29/10/2024 को बिजुरी पुलिस द्वारा धनतेरस के अवसर पर बाजार व्यवस्था के लिए दो पहिया वाहनो को रोका जा रहा था इसी दौरान बिना नंबर की हीरो होण्डा स्पेलण्डर चालक मौके से अचानक गाडी मोडकर भागा जिसे पुलिस अभिरक्षा में लिया जाकर उक्त मोटर सायकल की डिक्की को चेक किया गया जिसमें अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ । आरोपी सोनू जयसवाल पिता जमुना जायसवाल उम्र 25 व र्ष निवासी जर्राटोला थाना कोतमा जिला अनूपपुर के विरूद्ध8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिक कार्यवाही की गई । आरोपी के कब्जे से कुल 2 किलो ग्राम अवैध गांजा , एक बिना नंबर की मोटर सायकल , और एक रियल मी कंपनी का मोबाईल फोन कुल कीमती 79000 रुपये का मशरुका बरामद हुआ । उक्त रेड कार्यवाही में थाना प्रभारी बिजुरी निरीक्षक विकास सिंह ,उपनिरी सोने सिंह परस्ते, प्र.आर. सतीष मिश्रा, आर. लक्ष्मण डांगी, आर. रवि सिंह , आर. नरेन्द्र जाट , अभिषेक शर्मा , आर. आनन्द बैस की उल्लेखनीय भूमिका रही ।

कलेक्टर ने सपत्नीक बाल गृह व जिला चिकित्सालय पहुंच साझा की दीपावली की खुशियां

सुशिल सोनी । सिटी चीफ ।
अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने बच्चों के विकास, सुरक्षा, न्याय एवं संरक्षण को लेकर कार्यरत ममता बाल गृह तथा जिला चिकित्सालय के बच्चा वार्ड (एएनसी) पहुंचकर दीपावली की खुशियां साझा की। इस अवसर पर कलेक्टर की धर्म पत्नी तथा महिला बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा, डॉ. एस.सी. राय सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने सपत्नीक दीपावली की खुशियां साझा करते हुए उपहार स्वरूप बच्चों को कपड़े, मिठाई, खिलौने तथा उनकी जरूरत की सामग्री दीपावली की शुभकामनाओं के साथ प्रदान की। उन्होंने बच्चों को प्रदान की जा रही सुविधाओं के संबंध में स्टॉफ से जानकारी प्राप्त की तथा बेहतर सुविधाओं और व्यवस्थाओं के संबंध में दिशानिर्देश दिए। कलेक्टर ने बाल गृह के अधीक्षक को बच्चों की पढ़ाई तथा स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने को कहा व बाल गृह तथा जिला चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन करते हुए स्टॉफ को मानक गाईडलाईन के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बड़ी खुशी होती है की हमारे किसान भाई, आर्गेनिक खेती कर प्रगति कर रहे-कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर

नंदरई ग्राम के किसान माखन पटैल की पूरी फार्मिंग मसरूम, मूंगफली और टमाटर तीनों आर्गेनिक

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा जिले की तहसील पथरिया के नंदरई ग्राम के किसान माखन पटेल जो उद्यमी भी है, इनकी पूरी फार्मिंग नंदरई में है, वहीं पर वह अपनी फार्मिंग करते है। मशरूम उनके यहाँ पर उगाया गया है, इसके अलावा मूंगफली और तीसरी चीज़ टमाटर यह तीनों चीज़ें उनसे खरीदी है और यह तीनों ऑर्गेनिक है, मिट्टी की उर्वरा शक्ति अच्छी है, इस कारण से यह बहुत पौष्टिक, स्वादिष्ट और ताज़े प्रोडक्ट हैं। कलेक्टर ने बताया दमोह जिले का नंदरई गांव खासतौर से फार्मिंग के क्षेत्र में एक बड़ा तेजी से उभरता हुआ नाम है, किसान माखन पटेल आज अपने बेटे के साथ आये है यहाँ पर, उनके बेटे एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर रहे है, बड़ी खुशी होती है की हमारे किसान भाई, आर्गेनिक खेती से प्रगति कर रहे है और उनके बच्चे भी एग्रीकल्चर में ही आगे पढ़ाई करके अपने पिताजी की विरासत को संभालने का काम कर रहे है। कलेक्टर ने सभी किसान भाईयों से आग्रह करते हुये कहा दमोह जिला कृषि प्रधान जिला है, जिले का बेसिक धंधा ही किसानी है, तो हमारा काम है कि ऐसे किसानों को प्रोत्साहित करें, इनका अधिक से अधिक प्रोडक्ट्स जिनमें इनकी सब्जियां, फल, फसल, मशरूम या मूंगफली है, इस तरह की चीजों को खरीदे, इनको प्रोत्साहित करें। यह सामग्री शुद्ध भी है और कम कीमत पर भी उपलब्ध है। कलेक्टर श्री कोचर ने यह तय किया है कि अगले महीने से हर महीने ऑर्गेनिक हॉट दमोह में लगाएंगे, ताकि माखन पटेल जैसे और भी किसान उद्यमी है, इनके प्रॉडक्ट यहाँ पर आए और इनको अच्छे से अच्छा मार्केट मिले। उन्होंने सभी किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुये कहा आशा करता हूँ की इसी तरह से ये फार्मिंग में तेजी से आगे बढ़ते रहेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी कृषि वैज्ञानिक डॉ मनोज अहिरवाल ने कहा जिले की तहसील पथरिया के प्रगतिशील किसान माखन पटेल कृषि विज्ञान केंद्र यूनाइटेड, मुंबई कृषि विभाग उद्यानिकी विभाग सभी के सहयोग से इनके गांव में बहुत सारे एक्टिविटी हो रही है, जिसमें इनके जो मशरूम उत्पादन की एक्टिविटी है, आयस्टर मशरूम का उत्पादन कर रहे है। उन्होंने बताया मशरूम लाभदायक, बढ़िया भोज्य पदार्थ है जो हमें खाना चाहिए, यह बगैर खेत में लगाए हुए हो जाते है, घर के एक कमरे में लगा के कोई भी युवा बेरोजगार इसकी खेती बड़े अच्छे तरीके से कर सकते है। उन्होंने कहा जो किसान भाई मशरूम की खेती करना चाह रहे है, वह कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक से संपर्क करें और एक बार ग्राम नंदरई में किसान माखन पटेल के खेत या घर जहाँ मशरूम की खेती हो रही है, वहाँ भ्रमण करें। पौष्टिक आहार के रूप में मशरूम बहुत सारे अधिक से अधिक मात्रा में प्रोटीन, मिनेरल्स और भी अन्य चीज़े प्रोवाइड करता है, बहुत ही पौष्टिक रहता है, हमें अपने दैनिक आहार में मशरूम को कम से कम हफ्ते में एक बार जरूर लेना चाहिये। उन्होंने बताया सितंबर से मार्च माह तक इसकी अच्छी तरीके से खेती होती है और आमतौर पर जो ऑयस्टर मशरूम है बड़े अच्छे से तैयार हो जाता है, इसके साथ में एक बटर मशरूम भी होता है और भी आजकल बहुत सारे मशरूम की किस्में है, जो किसान लगा रहे हैं। मशरूम को खाने की आदत आमजन को करना चाहिए, जिससे की हमारे क्षेत्र के जो मशरूम उत्पादक किसान भाई है, उनको यहाँ कुछ फायदा भी मिले और बेरोज़गारों को कुछ रोजगार भी मिले।
जिले की तहसील पथरिया के ग्राम नंदरई निवासी किसान माखन पटेल ने बताया अभी जैविक खेती और मशरूम की खेती कर रहे हैं, मशरूम की पैदावर बढ़िया हो रही है। टमाटर, मूंगफली और अन्य सब्जियां भी जैविक कर रहे हैं, जिनकी पैदावार बढ़िया हो रही है। उन्होंने कहा हम चाहते है कि अन्य किसान भी करें। मशरूम पर करीब 10-15 लोगों ने हमारे यहाँ काम चालू कर भी दिया है। मशरूम पर सभी किसान भाई ध्यान दें, खरीदें और खाकर भी टेस्ट करें। उन्होंने कहा किसानों को भी समझा रहे है जिससे किसान भी कर रहे है। आग्रह है कि सभी लोग मशरूम पर भी ध्यान दें और आगे बढ़े।

दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के सभी नागरिकों को दी दीपावली की शुभकामनायें

धीरज कुमार कोचर । सिटी चीफ । दमोह, दीपावली का पावन अवसर आ गया है, यह पांच दिवसीय उत्सव प्रारंभ हो गया है। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के जन-जन को अपने अंतर्मन से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं और कामना की है कि दीपों का प्रकाश सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और खुशियां लेकर आये। कलेक्टर ने कहा जो हमारे प्रवासी श्रमिक, भाई, बहन दूरदराज के क्षेत्रों में श्रम करने के लिए जाते हैं, दूसरे राज्यों में जाते हैं और जो यहाँ पर दीपावली के पर्व पर वापस दमोह जिले में आए हैं, उन सभी का हृदय से स्वागत करता हूँ, उनको विशेष रूप से शुभकामनाएं देता हूँ। इसके अलावा जिले में जो जिले से बाहर अनेकानेक स्थानों पर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी और अन्य स्थानों पर देश-विदेश में नौकरी करने वाले युवा, त्योहारों के अवसर पर अपने घर लौट कर के आए हैं, उन सबका भी हृदय से स्वागत करता हूँ, अभिनंदन करता हूँ और उन्हें भी दीपावली की विशेष रूप से शुभकामनाएं देता हूँ। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा दीपावली के अवसर पर वृद्धाश्रम में जिसको हम अपना घर कहते हैं वहाँ पर जो वृद्धजन हैं, इसके अलावा जो ऐसे हमारे निराश्रित बच्चे है, असमय अपने माता पिता या उन दोनों में से किसी एक के कालकल्वित हो जाने के कारण अकेले हो गए हैं। यह दिवाली उन सब के साथ वाली दिवाली मनाएं, यही मेरी भावना है सभी से आशा करता हूँ कि आने वाला साल सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और अपार खुशियां लेकर के आए, सभी के सपने पूरे हो, यही शुभकामनाएं है।

रूप चौदस पर महिलाओं ने किया विशेष श्रृंगार, ब्यूटी पार्लरों पर लगी भीड़

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, दीपावली पर्व पर आज गुरुवार को महालक्ष्मी की महापूजा के साथ घरों पर दीपमाला लगाई जाएगी। धन तेरस से भाई दूज तक विभिन्न मान्यता के अनुसार पर्व को उल्लास के साथ मनाए जाने का दौर जारी है और इसी कड़ी में रूप चौदस पर महिलाओं ने परम्परागत तरीके से विशेष उबटन लगा कर स्नान किया। वहीं अनेक महिलाओं ने ब्यूटी पार्लर जाकर सोलह श्रंगार करना पसंद किया जिसकी वजह से पार्लरों भीड़ लगी रही। उल्लेखनीय है कि दीपावली के एक दिन पूर्व रूप चौदस का पर्व मनाने जाने का रिवाज है और इसीके चलते बुधवार को ब्यूटी पार्लर के साथ ही कपड़ा बाजार, चूड़ी बाजार और श्रंगार की दुकानों पर महिलाओं की भारी भीड़ दिखाई दी। साथ ही महालक्ष्मी पूजन की तैयारी को लेकर भी लोगों ने जमकर खरीददारी की। पूजन सामग्री से लेकर गन्ने तक की दुकानों पर दिनभर रौनक बनी रही। एक दिन पूर्व लोगों ने जहां घर की आवश्यक वस्तुओं की खरीददारी की तो वहीं रूप चौदस पर लोगों ने घर को सजाने और पूजन की सामग्री की खरीदी में दिन गुजारा। ग्राहकों की भीड़ देररात तक बनी रही।

महालक्ष्मी की महापूजा आज
गौरतलब है कि हिन्दू मान्यताओं और परम्पराओं से जुड़े त्यौहारों में सबसे बड़ा पर्व दीपावली का ही माना जाता है। आज गुरुवार को दीपावली पर्व पर तालाब की पाल स्थित नगर के एक मात्र गजलक्ष्मी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। वहीं महिलाओं द्वारा मिट्टी से बनी मां लक्ष्मी की प्रतिमाओं की भी पूजा की जाएगी। सुबह रंगोली बनाने के साथ पर्व का दौर देररात तक चलेगा। लोग विशेष मुहूर्त में मां की पूजा कर सुख, समृद्धि और वैभव की कामना करेंगे। दुकानों और घरों के बाहर मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए दीपक लगाए जाएंगे और इसीके साथ रात को आतिशबाजी की जाएगी।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 01 नवम्बर का मुख्य समारोह 03 नवम्बर को होगा

03 नवम्बर को प्रात: 08 बजे निर्माण श्रमिकों के साथ कार्यक्रम होगा आयोजित

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह 01 नवम्बर 2024 को आयोजित किये जाने की तैयारियों के संबंध में बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस समारोह आयोजित किये जाने हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा मुख्य कार्यक्रम का आयोजन 03 नवम्बर को शाम 04 बजे से कलेक्टर कार्यालय दमोह के प्रांगण में किया जायेगा। जिसमें सभी कार्यालय प्रमुख तथा उनके अधीनस्थ अधिकारी तथा कर्मचारी अनिवार्य रूप से उपस्थिति रहेंगे। जनप्रतिनिधियों तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाये। जिला स्तरीय कार्यक्रम में विजन डाक्यूमेंट 2030 तथा दमोह की सांस्कृतिक वि?रासत पुस्तक का विमोचन होगा, जिसका संपूर्ण दायित्व प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन का होगा। कलेक्टर ने कहा कार्यक्रम स्थल पर ध्वजारोहण तथा सलामी की संपूर्ण व्यवस्था पुलिस विभाग की होगी। जिला स्तरीय कार्यक्रम में आर्गेनिक हॉट का आयोजन किया जायेगा, जिसका संपूर्ण दायित्व उपसंचालक कृषि तथा किसान कल्याण विभाग दमोह का होगा, जो अन्य विभागों से समन्वय कर आर्गेनिक हाट का आयोजन करायेगे। उन्होंने कहा जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रस्तुतिकरण स्कूल शिक्षा विभाग दमोह द्वारा किया जायेगा। जिला स्तर पर 01 नवम्बर 2024 को शाम 6 बजे कीर्ति स्तंभ पर दीपोत्सव, रंगोली एवं मध्य?प्रदेश गान कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम सभी विकासखण्ड मुख्यालयों पर भी आयोजित किये जायें। दीपोत्सव कार्यक्रम में लगने वाले दीपकों का क्रय स्व-सहायता समूह से ही किया जाये। यह कार्यवाही जिला शिक्षा अधिकारी, महिला बाल विकास विभाग दमोह, जनअभियान परिषद, आजीविका मिशन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समस्त जिला दमोह तथा समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद द्वारा की जायेगी। जिला स्तर पर 02 नवम्बर 2024 को शाम 5 बजे बेलाताल में दीपोत्सव, रंगोली एवं मध्यप्रदेश गान कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। दीपोत्सव कार्यक्रम में लगने वाले दीपकों का क्रय स्व-सहायता समूह से ही किया जायें। जिले की सभी गौशालाओं में गोवंधन पूजा का आयोजन 02 नवम्बर 2024 को किया जायेगा, जिला स्तरीय कार्यक्रम एकलव्य गौशाला ग्राम कौरासा में प्रात: 11 बजे से किया जायेगा। जिला स्तर पर 03 नवम्बर 2024 को प्रात: 08 बजे निर्माण श्रमिकों के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। यह कार्यवाही श्रमपदाधिकारी, जनअभियान परिषद द्वारा की जायेगी, 01 नवम्बर 2024 को घंटाघर पर रोशनी की व्यवस्था नगर पालिका द्वारा कराई जायेगी।

मतदाता पंजीकरण का हुआ शुभारंभ

ऑन लाइन भी मतदाता करा सकते हैं पंजीकरण एवं संशोधन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
देवबंद । सहारनपुर, निर्वाचन आयोग द्वारा 18 वर्ष आयु पूरी करने वाले मतदाताओं के नाम निर्वाचन नामावली में शामिल करने को नगर के सभी बूथों पर विशेष शिविर का आयोजन किया ।राजकीय कन्य इंटर कॉलेज में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान एसडीएम दीपक कुमार और तहसीलदार पुष्पांकर देव ने मतदाता सूची में नाम शामिल कराए जाने को फार्म-6, नाम कटवाने के लिए फार्म-7 और संशोधन के लिए फार्म-8 की जानकारी दी। इस दौरान नगर और देहात के सभी मतदाता बूथों पर बीएलओ ने मतदाता बूथों पर पहुंचे। हालांकि अधिक जानकारी न होने के चलते पहले दिन कम संख्या में ही मतदाता बूथों पर पहुंचे। एसडीएम दीपक कुमार ने बताया कि मतदाता 28 नवबंर तक विभिन्न तिथियों में अपने मतदाता बूथों पर पहुंच नामावलियों का निरीक्षण कर अपने नाम बढ़वा, संशोधन करवा सकते हैं। कहा कि यह प्रक्रिया ऑफ लाइन के साथ-साथ ऑन लाइन भी है। बताया कि 9 और 10 नवबंर एवं 23 और 24 नवंबर को विशेष शिविर लगेंगे जबकि 28 नवंबर तक बीएलओ से संपर्क कर नए मतादाता जहां 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर अपना नाम मतदाता सूची में संबंधित फार्म लेकर चढ़वा सकते हैं। वहीं संशोधन के साथ-साथ नामवली से नाम शिफ्ट भी करवाया जा सकता है।

दीपावली पर्व पर होगी जमकर आतिशबाजी

पटाखा दुकानों पर खरीदी के लिए उमड़ी भीड़

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर। दीपोत्सव पर्व पर जमकर आतिशबाजी कर अमावस्या के अंधेरे में उत्साह की रोशनी फैलाई जाएगी और इसको लेकर लोगों ने अपनी सहुलियत के मुताबिक विभिन्न प्रकार के पटाखों की खरीदी भी कर ली है। गौरतलब है कि इस वर्ष पटाखा दुकानें शहर से दूर बापू की कुटिया के समीप लगाई गई हैं, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में ग्राहक पटाखा बाजार पहुंचे और दीपोत्सव पर आतिशबाजी करने के लिए तरह-तरह के पटाखों की जमकर खरीदी की। पटाखा व्यापारियों ने बताया कि दीपावली के एक दिन पूर्व ग्राहकों की भीड़ बढ़ी और बाजार गुलजार हो गया। पटाखों में इस वर्ष भी बच्चों की पसंद का विशेष ध्यान रखा गया है और उनके लिए विभिन्न वैरायटी की फूलझड़ी, रस्सी, चकरी, अनार, हेलीकॉप्टर मौजूद हैं। साथ ही व्यस्कों के लिए अनार बम, सुतली बम, चॉकलेटी बम, रॉकेट सहित अन्य आतिशबाजी का सामान उपलब्ध है।

आज रोशन होगा आकाश
प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली का त्यौहार शहर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा और इसको लेकर जहां दुकानें और मकानों पर आकर्षक साज-सज्जा की जा चुकी है तो वहीं अमावस्या की काली रात को आतिशबाजी की रोशनी से रोशन करने के लिए पटाखों की खरीदी की जा रही है। बच्चों के लिए फूलझड़ी, डोरेमोन चकरी, तड़तड़ी, टिकली सहित अन्य आतिशबाजी की सामग्री पटाखा व्यापारियों के पास उपलब्ध है। बच्चों में खासकर डोरेमोन और तितली छाप चकरी की खरीदी को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है।

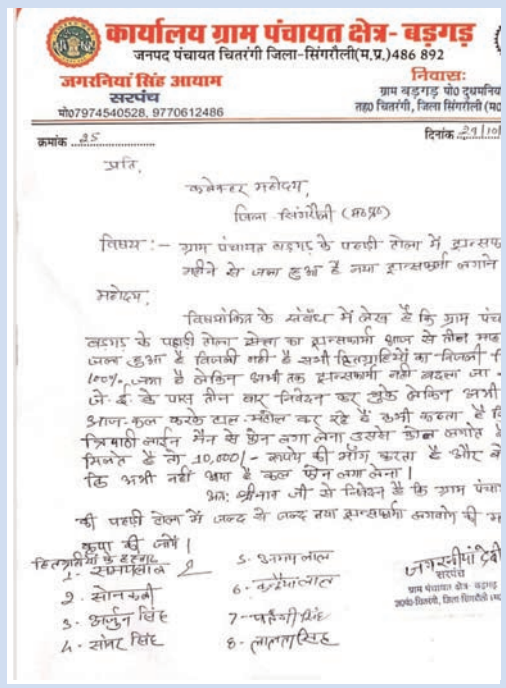

कार्यालय ग्राम पंचायत क्षेत्र- बड़गड़
जनपद पंचायत चितरंगी जिला-सिंगरौली(म.प्र.)486 892
जगरनियां सिंह आयाम
सरपंच
मो07974540528, 9770612486
निवास: ग्राम बड़गड़ पो0 दुधमनिया तह0 चितरंगी, जिला सिंगरौली (म0
क्रमांक 25
दिनांक 21/10

प्रति,
कलेक्टर महोदय,
जिला सिंगरौली (म0प्र0)

विषय :- ग्राम पंचायत बड़गड़ के पहाड़ी टोला में ट्रान्सफार्मर ... महीने से जला हुआ है नया ट्रान्सफार्मर लगाने ...

महोदय,

सिंगरौली जनपद चितरंगी ग्राम पंचायत बड़गड़ के पहाड़ी टोला के ट्रांसफार्मर आज से तीन माह पूर्व जला हुआ है बिजली नहीं है, सभी हितग्राहियों का बिजली बिल 100% जमा है लेकिन अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं बदला जा रहा है। जे. ई. के पास तीन बार निवेदन कर चुके हैं लेकिन अभी तक आजकल आजकल करके टाल मटोल कर रहे हैं कभी कहते हैं। कि के.पी त्रिपाठी लाइनमैन को फोन लगा लेना उसे फोन लगाते हैं और मिलते हैं, तो 10000 की मांग करता है।

नगर परिषद कर्मचारियों को दीपावली पर्व के पहले मिली बड़ी सौगात

खरगोन

कसरावद - शासन के निर्देश अनुसार नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने दीपावली से पहले अपना वेतन मिलने की खुशी में अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह यादव, सीएमओ कमलेश गोले, अकाउंटेंट नीरज यादव और आरिफ खान का पुष्पमाला पहना कर स्वागत किया। और उनका आभार व्यक्त किया। यह दीपावली के त्योहार की खुशी और वेतन मिलने की दोहरी खुशी है, जो इस त्योहार को और भी विशेष बनाती है। इस अवसर पर, नगर परिषद के कर्मचारियों ने अपने अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। और उनके साथ मिलकर दीपावली की खुशी मनाई। यह एक सुंदर उदाहरण है कि कैसे एक त्योहार लोगों को एक साथ ला सकता है।।और

उनके बीच खुशी और सहयोग की भावना को बढ़ावा दे सकता है।

झाबुआ शासकीय सेवा में सेवानिवृत अनिवार्य है लेकिन अच्छे कार्य करने वालें अधिकारी, कर्मचारी को जनता सदैव याद रखती है यह बात आज नगर परिषद कार्यालय थांदला में लेखापाल के पद को सुशोभित करने वालें विजय गिरी के सेवा निवृत्त होने पर आयोजित विदाई समारोह में विशिष्ट अतिथि द्वारा कही। विदाई समारोह में सेवा निवृत्त हुवे श्री विजय गिरी को शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया सेवा निवृत्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती लक्ष्मी पणदा ने कहा की सेवा निवृति के बाद व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को और भी बेहतर से निभा सकता है हमें उम्मीद है की आगे भी गिरी साहेब के अनुभवों का लाभ जनहित में जरूर उठाएंगे समारोह को संबोधित करते हुवे पंकज राठोड़ (जागीरदार) उपाध्यक्ष नगर परिषद ने कहा की यू तो शासकीय नौकरी में एक तय समय सीमा के अंदर सेवा निवृत्त होना सुनिश्चित है परन्तु किसी शासकीय कर्मी द्वारा किये गये कार्य कभी भी सेवा निवृत्त नहीं होते इन्हीं में से एक है हमारे विजय गिरी जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान नगरीय प्रशासन कार्य के अंतर्गत अपने कार्य को एक नई ऊंचाई दी है नगर के वाशिंदों के प्रति इनका लगाव, समय पालन तथा अनुशासन के साथ साथ कर्तव्य परानयता एवं व्यवस्था इनके द्वारा किये गये सुधार को भुलाया नहीं जाना सकता इनका यह आचरण अन्य परिषद कर्मी के लिये न सिर्फ़ अनुकरणीय है बल्कि बिगड़ते नगरीय व्यवस्था की हालात को सुधारने के लिये जरूरी भी है। नगर के वाशिंदों की बेहतरी के लिये अवकाश के दिवस में भी कार्यालय में उपस्थित रहना तथा सभी को साथ ले कर चलने की इनमें अद्भुत प्रतिभा थीं इसी का परीणाम है की इनके सेवा निवृत्त पर आज स्टाफ कर्मी सहित जनप्रतिनिधि मायूस है आप ने इनके दीर्घायु की कामना करते हुवे जीवन की दुसरी पाली में भी बेहतर करने की शुभकामना देते हुवे बेहतर समाज के निर्माण को ले कर सक्रियता बनाए रखने की बात कही। गरिमामय कार्यक्रम में नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी पप्पू बारिया ने कहा की गिरी साहेब ने सेवाकाल के दौरान अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से पालन किया है समय पर अपने कर्तव्य पर पहुंचना और निकाय सहित जनता के हर कार्य को त्वरित निपटाना इनकी विशेषता राही है डे नाइट नगर के वाशिंदों के कार्य के लिये समर्पित भाव से करना इनकी आदत में शुमार था। इनके कार्यशैली से सभी को प्रेरणा लेने की जरूरत है। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार सुधीर शर्मा , प्रीतैस शर्मा एवं भारतीय पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष समकित तलेरा ने भी सेवा निवृत्त विजय गिरी के साथ गुजारे एतिहासिक पल के संस्मरण सुना कर सदन की आंखे नम कर दी। सेवा निवृत्त विजय गिरी ने नम आंखों से सभी का अभिवादन कर कहा की परिषद कर्मी, मेरे उच्च अधिकारी के द्वारा कार्य करने के दौरान सभी का जो सपोर्ट मिला उसे में जिंदगी भर नहीं भूल सकता आप सभी भाई, बहनों का प्यार मुझे ताउम्र याद रहेगा कार्यक्रम के पश्चात समस्त स्टाफ द्वारा ढोल, बाजे के साथ विजय गिरी को उनके निवास स्थान पर पहुंचा कर उन्हे विदाई दी। कार्यक्रम में नगर परिषद का संपूर्ण स्टाफ, विजय गिरी के परिवार जन, इष्ट मित्र, जनप्रतिनिधि गण, पार्षद गण जीतेन्द्र राठोड़, जगदीश प्रजापत, कन्नू भाई मोरिया (पहलवान) सहित नगर के वाशिंदे मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन परिषद के यसदीप अरोरा ने किया आभार लेखापाल धनजी भाई ने माना।

मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन हुआ

कलेक्टर श्री सिंह ने मीडिया प्रतिनिधियों को दी जानकारी

हरदा

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिये विस्तृत कार्यक्रम जारी किया गया है। बुधवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित पत्रकारवार्ता में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आदित्य सिंह ने मीडिया प्रतिनिधियों को मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की जानकारी दी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव चौकसे भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण से जुड़ी गतिविधियों के तय कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन मंगलवार को जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर बीएलओ द्वारा कर दिया गया। अब इस पर दावे-आपत्तियां 28 नवम्बर 2024 तक प्राप्त की जायेंगी। पुनरीक्षण के संबंध में 9 एवं 10 नवम्बर तथा 16 एवं 17 नवम्बर को विशेष कैम्प आयोजित किये जायेंगे। प्राप्त दावे-आपत्तियों का निराकरण 24 दिसम्बर 2024 तक किया जायेगा। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि 1 जनवरी 2025 तक मतदाता सूची के डाटाबेस को अपडेट कर परिशिष्टों का मुद्रण किया जायेगा। इसके बाद 6 जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन के बाद बीएलओ द्वारा 20 अगस्त से 18 अक्टूबर के बीच घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया गया और उसके बाद मतदाता सूची में हरदा जिले में 6976 नाम जोड़े गये, 3115 नामों को निरसित किया गया तथा 7433 मतदाताओं संबंधी प्रविष्टियों में संशोधन किया गया। इस दौरान मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के तहत टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के मतदान क्रमांक 141 बोबदा का भवन जीर्णशीर्ण होने से उसके स्थान पर नवीन माध्यमिक शाला भवन बोबदा में मतदान केन्द्र स्वीकृत किया गया है। मतदान केन्द्र क्रमांक 163 डेहरिया की प्राथमिक शाला भवन का उन्नयन हो जाने से मतदान केन्द्र का नाम परिवर्तित कर एकीकृत माध्यमिक शाला डेहरिया किया गया है। इसके लिये भारत निर्वाचन आयोग से अनुमोदन प्राप्त हो गया है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि टिमरनी विधानसभा क्षेत्र में 243 मतदान केन्द्र है। वर्तमान में टिमरनी विधानसभा क्षेत्र में 98952 पुरूष तथा 92902 महिला मतदाता सहित कुल मतदाता 191854 है। हरदा विधानसभा क्षेत्र में 274 मतदान केन्द्र है तथा वर्तमान में हरदा विधानसभा क्षेत्र में 123579 पुरूष तथा 116441 महिला मतदाता तथा 7 अन्य सहित कुल मतदाता 240027 है। जिले में कुल 517 मतदान केन्द्र है, जिसमें 191872 पुरूष, 209343 महिला तथा 7 अन्य मतदाताओं सहित कुल 431881 मतदाता हैं।

गुना कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह द्वारा कुंभराज के गोरयाखेड़ा रोड पशु हाट मैदान स्थित पटाखा बाजार में सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ सफाई व्यवस्था, बच्चों के खेल मैदान के लिए मैदान के समतलीकरण कराने तथा पशु हाट मैदान के लिए बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री संजीव कुमार सिन्हा, अनुविभागीय अधिकारी चांचौड़ा श्री रवि मालवीय उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जिलेवासियों को दी दीपावली पर्व की शुभकामनाएं

सीधी

कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी ने जिले के नागरिकों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। कलेक्टर ने कहा है कि दीपावली का पर्व जिलेवासियों के लिए सुख और समृद्धि का उपहार लेकर आए। इस दीपावली में मिट्टी से बने दीपकों का अधिक से अधिक उपयोग करें। इससे वोकल फॉर लोकल को बल मिलेगा। कलेक्टर ने सुरक्षा का पूरी तरह से ध्यान रखते हुए दीपावली का पर्व मनाने की अपील की है। कलेक्टर ने कहा कि दीपावली हर्षोल्लास से मनाते हुए केवल ग्रीन पटाखों का ही उपयोग करें। अधिक आवाज वाले तथा हानिकारक पटाखों का उपयोग न करें। प्रत्येक आमजन सुरक्षा का पूरी तरह से ध्यान रखते हुए दीपावली का पर्व मनाएं।

दिव्यांगजनों (नि:शक्तजन) को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए बनाया गया रोजगार पोर्टल।

पंजीयन एवं रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में आयोजित होगी प्रशिक्षण सह कार्यशाला।

इन्दौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह की पहल पर दिव्यांगजनों (नि:शक्तजन) को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने तथा उन्हें रोजगार उपलब्धा कराने के लिए रोजगार पोर्टल बनाया गया है। पोर्टल में पंजीयन एवं रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित होगी। इस संबंध में एसोसिएशन ऑफ इण्डस्ट्रीज, होटल एसोसिएशन तथा नर्सिंग एसोसिएशन इंदौर के अध्यक्षों से चर्चा की गई है और पत्र के माध्यम से प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित करने का आग्रह किया गया है। बताया गया कि जिला स्तर पर दिव्यांगजनों को निजी इकाईयों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से रोजगार पोर्टल प्रारंभ किया गया है। उक्त पोर्टल पर वर्तमान में 1743 से अधिक विभिन्न श्रेणी के दिव्यांगजनों के द्वारा अपना पंजीयन किया गया है। पोर्टल पर पंजीकृत दिव्यांगजनों को उनकी योग्यता एवं कार्य क्षमता के अनुसार रोजगार उपलब्ध करवाना है। साथ ही ऐसे रोजगार जिसमें रोजगार के पूर्व प्रशिक्षण की आवश्यकता है वह प्रशिक्षण भी निजी इकाईयों के माध्यम से करवाया जाकर दिव्यांगजनों को पुनर्वासित करना है। आग्रह किया गया है कि उक्त संगठन 20-20 निजी इकाईयों के एच.आर./ प्रमुख के लिए एक प्रशिक्षण सह कार्यशाला (एक-एक घण्टे की) की तैयारी पृथक-पृथक दिनांकों पर करें। जिला प्रशासन की टीम द्वारा प्रशिक्षण दिया जाकर वहीं निजी इकाईयों का पंजीयन पोर्टल पर कर दिया जायेगा ताकि पोर्टल से ही इकाईयां दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर प्रदान करें। पत्र में उल्लेखित किया गया है कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अंतर्गत निजी क्षेत्रों में 5 प्रतिशत का आरक्षण का प्रावधान है। दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर प्रदान करना, दिव्यांगजनों का समान कार्य के लिए समान वेतन का अधिकार, कंपनियों को दिव्यांगजनों के लिए कार्यस्थल में अनुकूलन करना होता है। प्रशिक्षण और विकास के अवसर प्रदान करना है।

फार्मर रजिस्ट्री प्रक्रिया से प्रशिक्षित हुए

विदिशा

विदिशा जिले में फार्मर रजिस्ट्री के लिए निर्धारित प्रक्रिया से संबंधितों के लिए बुधवार तीस अक्टूबर को ऑन लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। गूगलमीट के द्वारा दिए गए प्रशिक्षण में सभी पटवारियों तथा लोकल यूथ सहायक संबंधी पटवारियों को फार्मर रजिस्ट्री प्रक्रिया के पैरामीटर की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया है। विदिशा तहसील के राजस्व निरीक्षक जेडीईओ एवं एईजीएम भी शामिल हुए थे। जिले के पटवारी व लोकल यूथ को फार्मर रजिस्ट्री से प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान किसानो की फार्मर आईडी का डेमो प्रदर्शन भी किया गया है।

फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 2025 के संबंध में दी जानकारी

नरसिंहपुर

मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक सम्पन्न

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने फोटायुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 2025 के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी व अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह,राजनैतिक दलों से डॉ. हरगोविंद पटेल, श्री अमितेन्द्र नारोलिया, श्री लाल सिंह गौतम, एड. लक्ष्मी नायक, शब्बर उस्मानी, श्री तरूण रजक, अन्य राजनैतिक दलों के पदाधिकारी और संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि 29 अक्टूबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया है। इसी दिन से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, वोटर आईडी कार्ड में संशोधन कराने और मृत मतदाताओं के नाम हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह प्रक्रिया 28 नवम्बर 2024 तक चलेगी। आगामी 9, 10 एवं 16 व 17 नवम्बर को विशेष कैम्प लगाकर अभियान चलाया जायेगा। जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर कार्यालयीन समय में बीएलओ मौजूद रहेंगे। प्राप्त सभी दावे-आपत्तियों का निराकरण 24 नवम्बर तक किया जोयगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6 जनवरी 2025 को किया जायेगा।

बुधनी उप निर्वाचन के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भैरूंदा एस डी एम श्री मदन सिंह रघुवंशी ने पिछले मतदान रिकार्ड से भी आगे बढ़ने का दिलाया संकल्प

सीहोर आपकी उंगली में है ये हिम्मत, जनप्रतिनिधि चुनने की है ताकत , आप सभी उंगली की ताकत दिखाने हो जाईये तैयार , ये संदेश स्वीप आईकॉन सुश्री सारिका घारू ने युवाओं, महिलाओं के साथ अन्य मतदाताओं को देते हुये उनको मताधिकार के प्रति जागरूक किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह के निर्देशानुसार बुधनी उप निर्वाचन के तहत भैरूंदा में स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सुश्री सारिका घारू ने कहा कि मताधिकार के प्रयोग के बाद आपकी उंगली पर लगा निशान प्रजातंत्र में आपकी भागीदारी को बताता है। कार्यक्रम में भैरूंदा एसडीएम श्री मदन सिंह रघुवंशी सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर एसडीएम श्री मदन सिंह रघुवंशी ने पिछले मतदान रिकार्ड से भी आगे बढ़ने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में गीत, नृत्य तथा कठपुतली शो के माध्यम से सुश्री सारिका ने संदेश दिया कि दीपावली पर्व के बाद होने जा रहे प्रजातंत्र के पर्व में भी उसी उत्साह से भागीदारी करना है।

कलेक्टर ने सहपरिवार स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को किया क्रय

अशोकनगर

वोकल फॉर लोकल का दिया संदेश

दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में वोकल फॉर लोकल के संदेश देते हेतु कलेक्ट्रेट अशोकनगर में जिले के स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित किये गये उत्पादों की दुकान लगाई गई। कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी ने सहपरिवार के साथ स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को क्रय किया। इस दौरान उन्होंने जिलेवासियों से आग्रह किया है कि वोकल फॉर लोकल के लिए जिले के कारीगरों द्वारा बनाये गये स्थानीय उत्पादों का क्रय करें। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। इस दौरान राधिका स्वसहायता समूह के दिलीप प्रजापति एवं लक्ष्मी प्रजापति से 1025 रूपये के दीये

लिये,गतिमान स्वसहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती अंजो सिंह से 100 रूपये की फूलवत्ती ली,कृष्णा स्वसहायता समूह की दीदी बृजोबाई प्रजापति से 150 रूपये की मिट्टी से बनी लक्ष्मी माता जी की मूर्ति ली।साथ ही अरूण प्रजापति से 200 रूपये में 20 पट लक्ष्मी माता जी के क्रय किये।

कलेक्टर श्री संदीप जी.आर. ने जिलेवासियों को दीपावली पर्व की बधाई और शुभकामनाएँ दी।

सागर कलेक्टर श्री संदीप जी.आर. ने जिलेवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई दी है। जिलेवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की मंगल कामना की है। जिलेवासियों से कहा है कि दीपावली खुशियाँ बाँटने का पर्व है। जीवन में खुशियों की ज्योत जलाकर पर्व को मनाया जाना चाहिए। दीपावली का उत्सव अनुशासित, शुद्ध, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में मनाएं।

अयोध्या में भव्य दीपोत्सव... एक साथ बने 2 नए गिनीज रिकॉर्ड

28 लाख दीयों से जगमग हुई राम नगरी

अयोध्या। अयोध्या में सीएम योगी के हाथों दीपोत्सव का शुभारंभ होने के साथ राम की पौड़ी पर दो नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बन गए हैं। अयोध्या में जलाए तो 28 लाख दीये गए हैं लेकिन राम की पौड़ी पर एक साथ 25 लाख 12 हजार 585 दिये आधे घंटे में जलाकर नया रिकॉर्ड बनाया गया। इसके साथ ही 1121 लोगों ने एक साथ सरयू की आरती करने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना दिया है। दोनों रिकॉर्ड बनने की घोषणा सरयू पर बने मंच से खुद कंसल्टेंट निश्चल बरोट ने की। उनकी घोषणा के साथ ही तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा सरयू तट गूंज उठा। इससे पहले 2023 में 22 लाख 23 हजार के करीब दीये जलाए गए थे। सरयू के दोनों ओर जुटे हजारों लोगों ने दीपोत्सव के अनोखे पल को अपने मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर भी उल्लास ला दिया है। इससे पहले सीएम योगी ने राम मंदिर जाकर दीपक जलाया और दीपोत्सव का शुभारंभ किया। इसके बाद सरयू के सभी 55 घाटों पर दीये जगमगा उठे। इस बार का मुख्य आकर्षण लेजर शो, ड्रोन शो, आतिशबाजी है। धर्म पथ पर थीमेटिक गेट्स से चलचित्र रामायण लोगों को लुभा रहे हैं। इस बार श्रीरामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने की खुशी में दीपोत्सव खास है। साकेत महाविद्यालय से लेकर रामकथा पार्क तक पूरी सड़क यानी रामपथ को पानी से धोकर सुबह ही चमकाया गया था।

25 लाख दीये आधा घंटे में किए रोशन

शाम होते ही इलेक्ट्रिकल लाइटों की सतरंगी रोशनी की चकाचौंध बरबस सभी को आकर्षित करने लगी। पूरे नगर में लाउडस्पीकर के माध्यम से भक्ति संगीत गुंजायमान हैं। राम की पैड़ी सहित चौधरी चरण सिंह घाट और भजन संध्या स्थल सहित कई जगहों पर 30 हजार वालियंटर 28 लाख दीप बिछाने का कार्य एक दिन पहले ही पूरा कर चुके हैं। 25 लाख दीये को आधे घण्टे के अंदर जलाकर नया रिकॉर्ड बना दिया गया।

दीपों से सजी अयोध्या

दीपोत्सव से पहले भगवान राम, सीता और लक्ष्मण के साथ पुष्पक विमान (हेलीकाप्टर) से पहुंचे। योगी ने उनका स्वागत किया। पूरा राम दरबार रथ पर सवार हुआ तो योगी ने अपने हाथों से रथ को खींचा और रामकथा पार्क लाया गया। यहां योगी ने राम की आरती उतारी और राज तिलक किया।

विकसित मध्यप्रदेश और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के संकल्प की ओर बढ़ते कदम.....

मध्यप्रदेश के नये स्वरूप की यात्रा को 68 वर्ष बीत चुके हैं। इस यात्रा में लगभग दो दशक पूर्व तक प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी में था। विकास के निरंतर प्रयास से प्रदेश प्रगति पथ पर आगे बढ़ा। विगत दस वर्षों से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश ने विकास की करवट ली और प्रदेश विकसित राज्य की ओर अग्रसर है। अब हमने जनसेवा, सुशासन और प्रदेश के चहुंमुखी विकास की नयी यात्रा आरंभ की है। प्रदेशवासियों के साथ मिलकर प्रदेश को देश में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं। भारत का ह्दय, अपना मध्यप्रदेश वन, जल, अन्न, खनिज, शिल्प, कला, संस्कृति, उत्सव और परंपराओं से समृद्ध है। पुण्य सलिला माँ नर्मदा का सान्निध्य और भगवान महाकालेश्वर का आशीर्वाद हमें प्राप्त है। यह असंख्य वीरों, बलिदानियों और राष्ट्र संस्कृति के प्रति समर्पित महान विभूतियों की धरती है। यह भगवान परशुराम की जन्मस्थली, भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षास्थली और आदि शंकराचार्य की तपोस्थली है। यहां गोंडवाना की वीरांगना रानी दुर्गावती ने स्वत्व के लिए प्राणों का उत्सर्ग किया था।राष्ट्र में अपने सांस्कृतिक गौरव को पुनर्स्थापित करने वाली पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की कर्मस्थली है।उनके त्रिशताब्दी समारोह के आयोजन वर्ष में कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश को प्राकृतिक संपदा के आधार के साथ इतिहास का गौरव प्राप्त है। अब हम विकास के साथ विरासत को लेकर आगे बढ़ेंगे। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए विकसित भारत निर्माण का संकल्प दिया है। इस संकल्प की सिद्धि के लिये उन्होंने ज्ञान (ब्रह्मह), गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सम्मान का नया सूत्र (वाक्य) दिया। ये चार वर्ग विकास के आधार स्तम्भ हैं। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश विकास और कल्याण के लिये युवा शक्ति, गरीब कल्याण,

किसान कल्याण और नारी सशक्तिकरण मिशन के तहत कार्य करने जा रहे हैं। युवा शक्ति मिशन शिक्षा, कौशल विकास, रोज़गार, उद्यमिता, नेतृत्व विकास, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्य की योजना बनाकर मिशन मोड में कार्य करेगा। युवाओं को स्वरोज़गार से जोड़ने के साथ हमने शासकीय नौकरियों में एक लाख से अधिक युवाओं के भर्ती का अभियान शुरू कर दिया है। मध्यप्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। प्रदेश के 55 जिलों में पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ, कुलपतियों को कुलगुरु का मान, शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा, पर्यावरण और योग ध्यान पाठ्यक्रम का समावेश किया गया है। युवा शक्ति मिशन में युवाओं के विकास और निर्माण के सभी कार्य संभव होंगे। गरीब कल्याण मिशन स्वरोज़गार तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, आवास, शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा आदि की दिशा में कार्य करेगा। नारी शक्ति मिशन के तहत बालिका शिक्षा, लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, लखपति दीदी योजना, महिला स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण आदि कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किये जायेंगे।किसान कल्याण मिशन में कृषि और उद्यानिकी को लाभ का व्यवसाय बनाने की दिशा में कार्य होंगे। किसानों को राहत प्रदान करने के साथ कृषि की उपज बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास किये जायेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि विकसित मध्यप्रदेश निर्माण के संकल्प को पूरा करने में इन चारों मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। हमारा प्रयत्न है कि मध्यप्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के विशिष्ट उत्पादों के अनुरूप उद्योग स्थापित हों। इसके लिए हमने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रीवा में आयोजन किया। हैदराबाद, कोयंबटूर तथा मुंबई में रोड शो और उद्योगपतियों को निवेश के लिये प्रदेश में आमंत्रित करना उद्योग विस्तार का उपक्रम है। इससे विपुल क्षेत्रीय स्थानीय उत्पाद के अनुसार उद्योग स्थापना का क्रम आरंभ होगा और औद्योगिक विकास में क्रांतिकारी परिवर्तन आयेगा। मेरा संकल्प है कि प्रदेश की धरती पर कभी जल का संकट न आए इसका एक-एक कोना जल से सिंचित हो। इसके लिए हमने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में केन-बेतवा और पार्वती-काली-सिंध चंबल नदी लिंक परियोजना ओंपर तेजी से कार्य आरंभ कर दिया है। इस अभियान में सदानीरा नदियों के जल को मौसमी नदियों के साथ जोड़ने से हमारे अन्नदाता किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलेगा,पेयजल की समस्या समाप्त होगी और धरती का जल स्तर बढ़ेगा। कृषि के साथ गौ-पालन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक गांव में गौ-शाला खोली जायेगी। गाय हमारी संस्कृति और कृषि का आधार है। प्रदेश में हम गौ-संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष मना रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में सुशासन के लिए होने वाले प्रयास में साइबर तहसील परियोजना को सभी 55 जिलों में लागू किया गया है। यह पहल करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। थानों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण, राजस्व महाअभियान के 2 चरणों में नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, नक्शा सुधार और सीमांकन के 80 लाख से अधिक लंबित प्रकरणों का निराकरण, आवासीय भू-खंडों के लिए ऑनलाइन आवेदन व्यवस्था लागू की है। गरीब कल्याण हमारी प्राथमिकता है। कार्य के आरंभ में ही हमने इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 मजदूरों को उनका अधिकार दिलाया और गंभीर बीमारी के गरीब मरीजों के लिये पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा शुरू की। बेटियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये सेनिटेशन एवं हाइजीन योजना में 19 लाख किशोरियों के खातों में 57 करोड़ रूपये से अधिक राशि प्रदान की गई। इस कार्य को यूनिसेफ इंडिया द्वारा भी सराहना मिली है।

मध्यप्रदेश गौरवशाली विरासत और संस्कृति से समृद्ध है। इसे सहेजने तथा आध्यात्मिक अभ्युदय की दिशा में श्रीराम वन गमन पथ, श्रीकृष्ण पाथेय का निर्माण, पीएमश्री पर्यटन वायुसेवा, वीर भारत न्यास का शिलान्यास, विक्रमोत्सव के आयोजन में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का शुभारंभ, शासकीय कैलेंडर में विक्रम संवत् अंकित करना। सांस्कृतिक पुनर्जागरण के क्रम में रक्षाबंधन, श्रावण उत्सव तथा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व का आयोजन किया गया। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में विकास की जो गंगा प्रवाहित हो रही है, उससे प्रदेश तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर है। केन्द्र सरकार की प्रमुख योजनाओं, पीएम स्व-निधि योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीएम आवास योजना, कृषि अवसंरचना निधि, प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना, पीएम स्वामित्व योजना, नशामुक्त भारत अभियान, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन आदि के क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाने में मध्यप्रदेश,देश में अग्रणी है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि यह आर्थिक, सामाजिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक अभ्युदय का समय है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में, नीतियों और निर्णयों को अमल में लाने के लिए मुझे प्रदेशवासियों की संकल्प शक्ति चाहिए। मेरा आप सभी से आग्रह है कि आप स्थानीय उत्पादों का उपयोग करें, स्थानीय विशेषताओं के अनुरूप विकास यात्रा में सहभागी बनें और वोकल फॉर लोकल को अपनाएं। प्रदेश के युवा, महिलाएं, अन्नदाता और गरीब वर्ग समान रूप से प्रगति करें, सबका जीवन खुशहाल हो, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी अधोसंरचना के क्षेत्र में प्रदेश विकसित और मजबूत बने, इन लक्ष्यों की पूर्ति के लिए हम पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि मध्यप्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ, सहयोग और संकल्प से हम आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश बनाएंगे और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी होंगे।

प्रदेशवासियों को मध्यप्रदेश के 69वें स्थापना दिवस की मंगलकामनाएं...

दुनियाभर में दिवाली पर्व की धूम, रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाया वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर

न्यूयॉर्क शहर के इतिहास में पहली बार बंद रहेंगे स्कूल

वॉशिंगटन। देश ही नहीं दुनियाभर में दिवाली की धूम हर तरफ दिखाई दे रही है। हाल ही में अमेरिका से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें यहां यहां की सबसे ऊंची इमारत वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाता दिखा। यह दृश्य बेहद खास था, क्योंकि इस साल दिवाली न्यूयॉर्क के लिए ऐतिहासिक बन गई है।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर के अंतरराष्ट्रीय मामलों के डिप्टी कमिश्नर दिलीप चौहान ने बताया, इस साल दिवाली खास है। न्यूयॉर्क सिटी के इतिहास में पहली बार एक नवंबर को दिवाली के मौके पर स्कूल बंद रहेंगे। चौहान ने कहा, न्यूयॉर्क में जहां 11 लाख छात्र स्कूल में पढ़ रहे हैं, ऐसे में सार्वजनिक अवकाश घोषित करना आसान नहीं है। बहुत सारे सामुदायिक नेताओं ने कई साल पहले इस आंदोलन की शुरूआत की थी। आखिरकार, न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स के प्रशासन ने एलान किया की एक नवंबर को स्कूल में छुट्टी रहेगी। उन्होंने समुदाय के नेताओं और अधिकारियों की वर्षों की वकालत का हवाला देते हुए इस फैसले के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दिवाली एक दिन का उत्सव नहीं है यह पांच दिनों का उत्सव है। कभी-कभी दिवाली के दिन प्रार्थना करनी होती है। मंदिर जाना होता है इसलिए अब छात्रों को स्कूल या उनके उत्सव में से एक को चुनना नहीं पड़ेगा।

दक्षिण एशियाई समुदाय के लिए यह एक खास पल

वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाता देखना दिवाली के बढ़ते महत्व को दशार्ता है, जो अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। अमेरिका में दिवाली को अब खुले तौर पर मनाया जा रहा है। इस तरह के आयोजन विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि को अपनाने का संकेत हैं। खासतौर से दक्षिण एशियाई समुदाय के लिए यह एक खास पल है, जो इस पर्व के जरिए अपनी सांस्कृतिक धरोहर को अमेरिका में गर्व के साथ मना रहे हैं।

भारतीय-अमेरिकियों संग अमेरिकी राष्ट्रपति ने मनाई दिवाली

वहीं, इससे पहले सोमवार (28 नवंबर) को व्हाइट हाउस में दिवाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। व्हाइट हाउस में दिवाली के कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मेहमानों को संबोधित भी किया था।

इस कार्यक्रम में 600 से ज्यादा प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकियों ने हिस्सा लिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय-अमेरिकी सांसदों, अधिकारियों और कॉपोरेंट अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा था, राष्ट्रपति के तौर पर मुझे व्हाइट हाउस में अब तक के सबसे बड़े दिवाली रिसेप्शन की मेजबानी करने का सम्मान मिला है। मेरे लिए यह बहुत मायने रखता है। सीनेटर, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति के तौर पर दक्षिण एशियाई अमेरिकी मेरे स्टाफ के अहम सदस्य रहे हैं।

नहीं बिक रहा चाइनीज माल, चीन को 1.25 लाख करोड़ का झटका

वोकल फॉर लोकल का तगड़ा असर, स्थानीय कारीगरों के लिए समर्थन

नई दिल्ली। इस दिवाली चीन को करीब 1.25 लाख करोड़ रुपए का बड़ा आर्थिक झटका लगा है। चीनी सामानों की बिक्री में भारी गिरावट आई है, जबकि मेड इन इंडिया उत्पादों की लोकप्रियता बढ़ रही है। पिछले कई सालों से दिवाली के दौरान चीनी सामानों के बहिष्कार का चलन रहा है। स्थानीय कारीगरों से मिट्टी के दीये और सजावट के सामान खरीदकर लोग वोकल फॉर लोकल मुहिम का समर्थन कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से दिवाली और धनतेरस पर चाइनीज प्रोडक्ट्स की डिमांड भारतीय मार्केट में लगातार घटती जा रही है। खासतौर पर सजावटी आइटम्स की बिक्री पहले के मुकाबले अब काफी घटी गई है। मांग कम होने से इंपोर्ट भी कम हो रहा है, ऐसे में घरेलू सामानों की बिक्री बढ़ रही है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने देशभर के व्यापारिक संगठनों को महिलाओं, कुम्हारों, कारीगरों और दिवाली से जुड़े सामान बनाने वाले अन्य लोगों की बिक्री बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस पहल से उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ी है, जो अब आयातित उत्पादों के बजाय घरेलू उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं। नतीजतन, उपभोक्ता की पसंद में इस बदलाव के कारण चीन को करीब 1.25 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। परंपरागत रूप से दिवाली और धनतेरस पर भारत में खरीदारी काफी बढ़ जाती है। लोग सोने-चांदी के आभूषण, बर्तन, रसोई के सामान, वाहन, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर और मोबाइल जैसे व्यावसायिक उपकरण, बही-खाते और फर्नीचर खरीदते हैं। कैट के अनुमान के अनुसार, इस साल धनतेरस पर कारोबार लगभग 60 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया और दिवाली तक इसके 1 लाख करोड़ रुपये को पार कर जाने की उम्मीद है।

सोने और चांदी के बाजार पर प्रभाव

इस साल सोने-चांदी के साथ-साथ पीतल के बर्तनों की भी खूब खरीदारी हुई। इस दौरान करीब 2500 करोड़ रुपए की चांदी खरीदी गई। वहीं, सोने की बिक्री एक दिन में ही 20 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गई। कैट के महासचिव और चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इस दिवाली बाजारों में वोकल फॉर लोकल की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है, क्योंकि लगभग सभी खरीदारी भारतीय सामानों पर केंद्रित है। दिवाली के दौरान चीनी उत्पादों के चल रहे बहिष्कार ने चीन के वित्तीय घाटे में अहम योगदान दिया है, जबकि साथ ही स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिला है।

कांग्रेस के आरोप न केवल हास्यास्पद, बल्कि संदेहास्पद

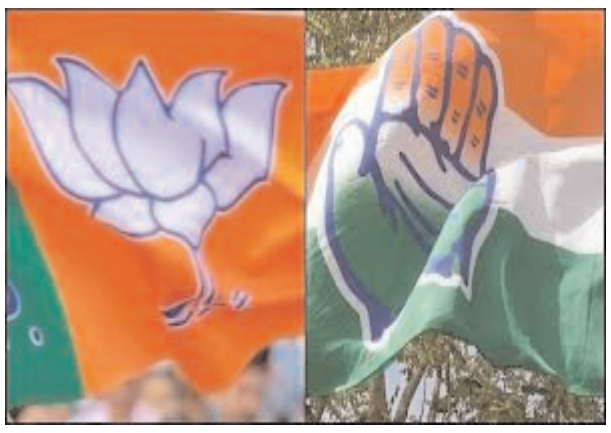

नई दिल्ली। भाजपा के सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस की ओर से चुनाव आयोग (ईसी) पर लगाए गए आरोपों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आयोग का 1,642 पन्नों का विस्तृत जवाब कांग्रेस की बदले की भावना और संदिग्ध इरादों का सबूत है। कांग्रेस द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की आलोचना करने पर सवाल उठाते हुए त्रिवेदी ने कहा कि ये मशीनें जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में बिना किसी समस्या के काम कर रही थीं। लेकिन इन पर 2023 में राज्यस्थान और हरियाणा में सवाल खड़े किए गए।

उन्होंने कहा, चुनाव आयोग का 1,642 पन्नों का विस्तृत जवाब कांग्रेस के बेतुके आरोपों का जवाब है। कांग्रेस का मानना है कि अगर मैं जीतता हूं तो मैं सही हूं और हारता हूं तो कोई और जिम्मेदार है। यह मानसिकता सिर्फ हास्यास्पद ही नहीं, बल्कि संदेहास्पद भी है। संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा पर आरोप लगाने की कांग्रेस की कोशिशें न केवल हास्यापद हैं, बल्कि विध्वंसक हैं। लोकसभा चुनाव में 99 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस की जीत का जिक्र करते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस आत्मविश्वास ने उस ने हरियाणा में हराया। उन्होंने कहा, कांग्रेस को अपनी बिगड़ैल राजकुमार की मानसिकता को छोड़ देना चाहिए, जिससे यह दुर्घटना हुई। जनता ऐसे आरोपों को संदेह की दृष्टि से देखती है। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग ने कांग्रेस हरियणा चुनावों में अनियमितताओं के आरोपों को बेजुबान, गलत और तथ्यों से रहित बताया। आयोग ने कांग्रेस को यह भी सुझाव दिया कि वह चुनावों के बाद बिना सबूत के आरोप लगाने से बचे, क्योंकि इससे सार्वजनिक अशांति और अराजकता पैदा हो सकती है।

आज राष्ट्रीय एकता दिवस में होंगे शामिल

पीएम मोदी ने 284 करोड़ की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

गुजरात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 284 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं और पर्यटन स्थलों का शिलान्यास और आधारशिला रखी। मोदी दो दिवसीय गुजरात यात्रा पर हैं और इस दौरान वह राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भी भाग लेंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्तूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। अहमदाबाद से करीब 200 किलोमीटर दूर एकता नगर पहुंचने के बाद मोदी ने कई नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें एक उप-जिला अस्पताल, स्मार्ट बस स्टॉप, चार मेगावाट की सौर उर्जा परियोजना और दो आईसीयू-ऑन-व्हील्स शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने 22 करोड़ रुपये की लागत से बने 50 बेड के उप-जिला अस्पताल का भी शुभारंभ किया। इस अस्पताल में एक ट्रॉमा सेंटर, स्त्री रोग ऑपरेटिंग थिएटर, छोटा ऑपरेटिंग थिएटर, सीटी स्कैन सुविधा, आईसीयू, लेबर रूम, फिजियोथेरेप वार्ड, मेडिकल स्टोर और एंबुलेंस की सुविधा है। इसके अलावा, उन्होंने एकता नगर में दस स्मार्ट बस स्टॉप और पर्यटको के लिए 10 पिक-अप स्टैंड, कार चार्जिंग प्वाइंट और राज्य रिजर्व पुलिस बल के कर्मियों को दौड़ने के लिए ट्रैक का भी शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने 23.26 करोड़ रुपये की लागत से विकसित चार मेगावाट की सौर उर्जा परियोजना का भी उद्घाटन किया, जिसका मकसद नवीनीकरणीय उर्जा को बढ़ावा देना है। इस मौके पर, मोदी ने एकता नगर में 75 करोड़ रुपये के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की नींव भी रखी, जो करीब 4,000 घरों, सरकारी कमरों और अन्य आतिथ्य स्थलों के सीवेज प्रबंधन के लिए इस्तेमाल होगा।प्रधानमंत्री ने एक बोन्साई गार्डन की भी आधारशिला रखी, जिसका मकसद सतत विकास और जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना है।

जय श्री राम बोलो तो मिलेगा खाना, भंडारे पर बढ़ा बवाल

मुंबई। मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल के बाहर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसके साथ ही इस पर बवाल भी उठ खड़ा हुआ है। वीडियो में दिख रहा है कि अस्पताल के बाहर एक बुजुर्ग लोगों को खाना बांट रहे हैं और कतार में लगकर लोग वहां से खाना ले रहे हैं। लेकिन कथित तौर पर दावा किया जा रहा है कि इस बुजुर्ग ने खाना लेने आई एक मुस्लिम महिला को जय श्री राम का नारा लगाने को बाध्य किया और कहा कि जब तक नारा नहीं लगाओगे, खाना नहीं देंगे। इससे वह महिला चिढ़ जाती है। जिस समय ये वाकया हो रहा था, उसी समय वहां मौजूद एक शख्स इसका वीडियो बनाने लगा। कथित वीडियो में दावा किया गया है कि बुजुर्ग ने उस महिला से बदतमीजी की है। इस मामले को लेकर एक खास समुदाय में भारी रोष देखा जा रहा है। वीडियो में कुछ लोगों को यह भी कहते देखा जा सकता है कि अगर खाना नहीं देना है तो मत दें लेकिन इस तरह जोर जबर्दस्ती से नारा नहीं लगवा सकते। वीडियो बनाने वाला वहां खड़े लोगों से पूछ रहा है कि क्या आपने जय श्री राम का नारा लगाया है। इस पर कई लोग कहते हैं कि इसमें बुराई क्या है और हमने ऐसा किया है। इसी बीच, एक शख्स को यह कहते हुए देखा जा सकता है कि जब हॉस्पिटल वाले किसी तरह का भेदभाव नहीं करते हैं तो खाना देने वाले ऐसा क्यों कर रहे। आप लोग खाना बांटने आए हैं, खाना बांटकर जाओ। तभी बुजुर्ग को फिर से यह कहते हुए देखा जा सकता है कि जय श्रीराम बोलेगा तो खाना मिलेगा, ज्यादा बकवास नहीं करने का। वीडियो बनाने वाला शख्स उस बुजुर्ग को उकसाने की कोशिश करता है लेकिन बुजुर्ग शख्स चुपचाप खाना बांटने लगते हैं और वहां खड़े लोगों को पूरी सब्जी बांटते दिख रहे हैं।

इमरान प्रतापगढ़ी भी विवाद में कूदे

दूसरी तरफ, राज्यसभा सांसद और कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी भी इस विवाद में कूद पड़े हैं। उन्होंने इस मामले में सोशल मीडियाप्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे पैगम्बर हजरत मुहम्मद साहब ने कहा था कि यदि आपका पड़ोसी भूखा है तो आप पर खाना हराम है। वो पड़ोसी चाहे कोई भी हो, किसी भी धर्म का हो।

ये कौन लोग हैं जो नफरत में डूबे हैं और किसी भूखे को खाना खिलाने के नाम पर धार्मिक नारे लगवाना चाहते हैं, क्या ऐसे कामों से इन्हें पुण्य मिलेगा।

जेडीएस ने जारी की 40 स्टार प्रचारकों की सूची, देवेगौड़ा का नाम गायब...

बेंगलुरु। कर्नाटक की संदुर, चन्नापटना और शिगंगाव विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 13 नवंबर को होने हैं। जेडीएस, भाजपा और कांग्रेस के नेता अपने उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं। वहीं, अब जेडी (एस) ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी कर दी है। हालांकि, जेडी (एस) द्वारा जारी की गई सूची में जीटी देवेगौड़ा और एचडी रेवन्ना का नाम गायब है। जेडीएस के स्टार प्रचारकों की सूची में विधायक, पूर्व विधायक, सांसद, वरिष्ठ नेता और एमएलसी शामिल हैं।

निखिल कुमारस्वामी जेडीएस के बैनर तले चन्नपटना उपचुनाव लड़ रहे हैं। जीटी देवेगौड़ा और एचडी रेवन्ना का नाम सूची में शामिल न किए जाने से राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जीटी देवेगौड़ा का नाम सूची में न होने का कारण जेडीएस में विधायक दल का नेता न बनाए जाने से उनकी नाराजगी है। मैसूर मुडा घोटाला विवाद के दौरान सीएम सिद्धारमैया का समर्थन करने वाली उनकी हालिया टिप्पणियों ने एचडी कुमारस्वामी के साथ संबंधों को और खराब कर दिया। इसके अलावा, मैसूर दशहरा के दौरान उनके कार्यों ने कुमारस्वामी के प्रति उनकी नाराजगी को उजागर किया। एचडी रेवन्ना को पार्टी से बाहर किए जाने का कारण उनके परिवार पर लगे आरोप हैं। इन आरोपों के कारण ही उन्हें स्टार प्रचारकों की सूची से बाहर रखने का फैसला लिया गया है। इस स्थिति के कारण पार्टी के भीतर आंतरिक गतिशीलता और चुनावी रणनीतियों पर इसके प्रभाव के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569